खण्ड-432, अंक-1
शुक्रवार, 10 पौष, शक संवत् 1921
(31 दिसम्बर, 1999 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(तेरहवीं विधान सभा, तृतीय सत्र 1999)

खण्ड 432 में 4 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

1999

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 पैसे, महसूल सहित रु0 724.25 पैसे |

विषय सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम राज्यपाल, मंत्रि परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	क–ट
उपस्थित सदस्य	ड–ढ
राष्ट्रीय गीत	1
वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी तथा मास्टर कंवरपाल सिंह के निधन पर शोकोद्गार	1–9
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री राम स्वरूप, श्री मन्जूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रुस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरीदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, डा० शमी (शमीम) अहमद खां तथा श्री जगन्नाथ चौधरी के निधन पर शोकोद्गार ...	9–17
भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा के निधन पर शोकोद्गार ...	17–23
उड़ीसा राज्य के तटवर्ती इलाकों में आये भयंकर समुद्री तूफान में मृत व्यक्तियों, घायलों और अपार सम्पत्ति की हानि के प्रति मा० मुख्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत संवेदना प्रस्ताव (स्वीकृत)	23–25

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची)

1–अकबर हुसैन, श्री — मुरादाबाद
2–अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
3–अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
4–अजय कुमार पोइया, श्री — मथुरा
5–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
6–अजय भट्ट, श्री — अल्मोड़ा
7–अजय राय, श्री — वाराणसी
8–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री — सीतापुर
9–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
10–अतुल कुमार, श्री — मेरठ
11–अनिल कुमार, श्री — बलिया
12–अनीस खां, श्री — पीलीभीत
13–अफजाल अंसारी, श्री — गाजीपुर
14–अफजाल अहमद, श्री — जौनपुर
15–अफरोज अली खां, श्री — रामपुर
16–अब्दुल कलाम, श्री — बस्ती
17–अब्दुल कलाम, श्री — वाराणसी
18–अब्दुल खालिक, श्री — अलीगढ़
19–अब्दुल मन्नान, श्री — हरदोई
20–अमर मणि, श्री — महराजगंज
21–अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
22–अम्बरीष कुमार, श्री — हरिद्वार
23–अम्बिका चौधरी, श्री — बलिया
24–अम्मार रिजवी, डा० — सीतापुर
25–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
26–अरविन्द कुमार जैन, श्री — ललितपुर
27–अरविन्द गिरी, श्री — खीरी
28–अरिमर्दन सिंह, श्री — महोबा
29–अरुण प्रताप सिंह, श्री — सुल्तानपुर
30–अरुणवीर सिंह, श्री — बहराइच
31–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
32–अशफाक अहमद, श्री — बरेली
33–अशोक कुमार, श्री — जौनपुर
34–अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
35–अशोक बाजपेयी, डा० — हरदोई
36–अशोक यादव, श्री — फिरोजाबाद
37–आचार्य रामदेव वैश्य, श्री — बाराबंकी
38–आनन्द प्रकाश, श्री — पडरौना
39–आर० के० चौधरी, श्री — लखनऊ
40–आर०के० सिंह पटेल, श्री — बांदा
41–आलमबदी, श्री — आजमगढ़
42–इकबाल महमूद, श्री — मुरादाबाद
43–इन्द्रजीत सरोज, श्री — इलाहाबाद
44–इन्द्र देव सिंह, डा० — बिजनौर
45–इलम सिंह, श्री — सहारनपुर
46–उदय राज यादव, श्री — उन्नाव
47–उमाकान्त यादव, श्री — जौनपुर
48–उर्मिला देवी, श्रीमती — मैनपुरी
49–उबैदुर्रहमान, श्री — गोण्डा
50–ओंकार सिंह, श्री — एटा
51–ओइमवेश, स्वामी — बिजनौर
52–ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
53–ओम प्रकाश, श्री — एटा
54–ओम प्रकाश गुप्त, श्री — सीतापुर
55–ओम प्रकाश सिंह, श्री — मिर्जापुर
56–कमला प्रसाद रावत, श्री — बाराबंकी
57–कमलेश कुमार सिंह, श्री — बलरामपुर
58–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
59–काजिम अली खां, उर्फ नवेद मियां, श्री — रामपुर
60–काजी मोहम्मद मुहिउद्दीन, श्री — हरिद्वार
61–कांशिम हसन, श्री — फतेहपुर
62–काशीनाथ, श्री — सुल्तानपुर
63–किशन लाल बघेल, सेठ — आगरा
64–कृपा शंकर सिंह, श्री — उन्नाव

65–कृष्ण चन्द्र पुनेठा, श्री — पिथौरागढ़
66–कृष्णपाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
67–कृष्णा राज, श्रीमती — खीरी
68–केदार सिंह फोनिया, श्री — चमोली
69–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
70–केशो मेहरा, श्री — आगरा
71–के० सी० सिंह "बाबा", श्री — उधमसिंह नगर
72–कैलाश, श्री — गाजीपुर
73–कैलाश सिंह राजपूत, श्री — फर्रुखाबाद
74–कोविद कुमार, श्री — शाहजहांपुर
75–कौकब हमीद, श्री — मेरठ
76–कौशल किशोर, डा० — खीरी
77–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री — आगरा
78–गंगा बख्श सिंह, श्री — उन्नाव
89–गंगा सिंह चौहान, श्री — हरदोई
80–गंजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री — मेरठ
81–गणेश राजभर, श्री — गाजीपुर
82–गुलाब देवी, श्रीमती — मुरादाबाद
83–गोपाल कृष्ण, श्री — पीलीभीत
84–गोमती यादव, श्री — लखनऊ
85–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री — भदोही
86–गौरी देवी, श्रीमती — गोरखपुर
87–गौरी शंकर (एडवोकेट), श्री — लखनऊ
88–चन्द्र किशोर, श्री — महराजगंज
89–चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री — झांसी
90–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
91–चन्द्रेश पासवान, श्री — गोरखपुर
92–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
93–चौधरी नरेन्द्र सिंह, श्री — कानपुर देहात
94–चौधरी बाबूलाल, श्री — आगरा
95–चौधरी लक्ष्मी नारायण, श्री — मथुरा
96–छब्बू पटेल, श्री — वाराणसी
97–छोटे लाल गंगवार, मास्टर — बरेली
98–छोटे लाल राजभर, श्री — बलिया
99–छोटे लाल वर्मा, डा० — महोबा
100–छोटे सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
101–जगपाल, श्री — सहारनपुर
102–जगत पाल सिंह, मेजर — मुरादाबाद
103–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
104–जगदीश नारायण राय, श्री — जौनपुर
105–जगदीश सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
106–जगन प्रसाद गर्ग, श्री — आगरा
107–जटा शंकर, श्री — बहराइच
108–जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री — फर्रुखाबाद
109–जय नारायन तिवारी, श्री — सुल्तानपुर
110–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
111–जय प्रकाश, श्री — गाजियाबाद
112–जय प्रकाश निषाद, श्री — देवरिया
113–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
114–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री — इटावा
115–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइय्या, श्री — गोरखपुर
116–जोखू लाल यादव, श्री — इलाहाबाद
117–ज्ञान चन्द, श्री — उत्तरकाशी
118–ज्ञानवती, डा० — अलीगढ़
119–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री — महराजगंज
120–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
121–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री — गोरखपुर
122–तिलकराज बेहड़, श्री — उधमसिंह नगर
123–तेजभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
124–तोताराम, श्री — मुरादाबाद
125–तौफीक अहमद, श्री — सिद्धार्थनगर
126–दद्दू प्रसाद, श्री — बांदा
127–दयाशंकर, श्री — जालौन
128–दल बहादुर कोरी, श्री — रायबरेली
129–दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
130–दिलीप कुमार, श्री — बहराइच
131–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
132–दीप लाल भारती, श्री — पडरौना
133–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
134–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री — कानपुर देहात
135–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
136–धनीराम वर्मा, श्री — इटावा
137–धर्मज्ञ मिश्र,डा० — हरदोई
138–धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
139–धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकर नगर

140–नन्दराम, श्री — बरेली
141–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० — इलाहाबाद
142–नरेन्द्र सिंह, श्री — आजमगढ़
143–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री — बुलन्दशहर
144–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
145–नरेन्द्र सिंह सिशौदिया, श्री — गाजियाबाद
146–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
147–नवाब सिंह नागर, श्री — गाजियाबाद
148–नारायण राम दास, श्री — अल्मोड़ा
149–निर्भय पाल शर्मा, श्री — सहारनपुर
150–नीरज चतुर्वेदी, श्री — कानपुर नगर
151–नेतराम सिंह, श्री — एटा
152–''पटेल'' रामकुमार वर्मा, श्री — खीरी
153–परवेज हलीम खां, श्री — मेरठ
154–पीटर फैन्थम — नाम-निर्देशित सदस्य
155–पीतम राम, श्री — पीलीभीत
156–पूरन सिंह बुन्देला, श्री — ललितपुर
157–पूर्णमासी पंकज, श्री — भदोही
158–प्रदीप कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
159–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती — फर्रुखाबाद
160–प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री — वाराणसी
161–प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
162–प्रेमपाल सिंह यादव, श्री — बदायूं
163–प्रेम प्रकाश सिंह, श्री — देवरिया
164–प्रेमलता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
165–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री — बदायूं
176–फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
177–फरीद महफूज़ किदवई, श्री — बाराबंकी
178–फागू, श्री — मऊ
169–बंश नारायण सिंह, श्री — भदोही
170–बंशीधर भगत, श्री — नैनीताल
171–बचनूराम पटेल, श्री — वाराणसी
172–बच्चा पाठक, श्री — बलिया
173–बनवारी लाल दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
174–बनारसी दास चन्दाना, श्री — मेरठ
175–बांके लाल सोनकर, श्री — जौनपुर
176–बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
177–बाबू खां, श्री — हरदोई

178–बाबूराम, श्री — जालौन
179–बाबूराम यादव, श्री — मैनपुरी
180–बाबू लाल कुरील, श्री — उन्नाव
181–बाबू लाल कुशवाहा, श्री — बांदा
182–बाल चन्द्र मिश्र, श्री — कानपुर नगर
183–बालेश्वर त्यागी, श्री — गाजियाबाद
184–बावन सिंह, श्री — गोण्डा
185–बिजेन्द्र आर्य, श्री — मुजफ्फरनगर
186–बिन्दु लाल, श्री — गोण्डा
187–बिहारी लाल आर्य, श्री — झांसी
188–बी० आर० वर्मा, श्री — जौनपुर
189–बुनियाद हुसैन अंसारी, श्री — सीतापुर
190–बेचन राम, श्री — गोरखपुर
191–ब्रजेन्द्र पाल सिंह, श्री — मुरादाबाद
192–भगवती प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
193–भगवान सिंह शाक्य, श्री — बदायूं
194–भरत सिंह, श्री — बलिया
195–भाई लाल, श्री — मिर्ज़ापुर
196–भारत सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
197–भीम प्रसाद सोनकर, श्री — अम्बेडकरनगर
198–भोनू राम सोनकर, श्री — गाजीपुर
199–भोला शंकर मौर्य, श्री — बदायूं
200–मंगल सिंह सैनी, श्री — मुरादाबाद
201–मंजू, श्रीमती — बलिया
202–मंडलेश्वर सिंह, श्री — आगरा
203–मतेश चन्द्र सोनकर, श्री — इलाहाबाद
204–मथुरा प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
205–मलखान सिंह, श्री — अलीगढ़
206–मस्तराम, श्री — उन्नाव
207–महाराज सिंह यादव, श्री — इटावा
208–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा — आगरा
209–महेन्द्र कुमार, श्री — बुलन्दशहर
210–महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री — सीतापुर
211–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा० — वाराणसी
212–महेन्द्र पाल निषाद, श्री — बांदा
213–महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
214–मातवर सिंह कण्डारी, श्री — टिहरी गढ़वाल

215–मानिक चन्द यादव, श्री — मैनपुरी
216–माया प्रसाद, श्रीमती — खीरी
217–मारकण्डेय चन्द, श्री — गोरखपुर
218–मिथिलेश कुमारी, श्रीमती — एटा
219–मुख्तार अंसारी, श्री — मऊ
220–मुन्ना चौहान, श्री — देहरादून
221–मुन्ना लाल मौर्य, श्री — फतेहपुर
222–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
223–मुराद लारी, श्री — देवरिया
224–मुस्ताक सोलंकी, श्री — कानपुर नगर
225–मुस्लिम, डा० — रायबरेली
226–मुहर सिंह अम्बाडी, श्री — इटावा
227–मूल चन्द, श्री — बिजनौर
228–मोती लाल, श्री — खीरी
229–मोहन सिंह रावत गांववासी, श्री — गढ़वाल
230–मोहम्मद मुकीम, श्री — सिद्धार्थनगर
231–यशपाल सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
232–यशवन्त, श्री — आजमगढ़
233–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
234–योगेन्द्र सिंह सेंगर, श्री — देवरिया
245–रंगनाथ मिश्र, श्री — भदोही
236–रंगबहादुर पटेल, श्री — इलाहाबाद
237–रघुनाथ सिंह चौहान, श्री — अल्मोड़ा
238–रघुराज प्रताप सिंह "राजा भईया", कुंवर — प्रतापगढ़
239–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
240–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
241–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — पडरौना
242–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
243–रमेश पोखरियाल "निशंक", डा० — गढ़वाल
244–रमेश राही, श्री — सीतापुर
245–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
246–रवीन्द्र प्रताप चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
247–रवीन्द्र शुक्ला, श्री — झांसी
248–राकेश त्यागी, श्री — बुलन्दशहर
249–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
250–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर

251–राजधारी, श्री — बलिया
252–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
253–राजपाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
254–राजा गज़नफर अली खां, श्री — बिजनौर
255–राजाराम पाण्डेय, श्री — प्रतापगढ़
256–राजाराम पाल, श्री — कानपुर देहात
257–राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
258–राजेन्द्र, श्री — गाजीपुर
259–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
260–राजेन्द्र सिंह, श्री — देहरादून
261–राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
262–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
263–राजेश कुमार सिंह, श्री — मुरादाबाद
274–राधेश्याम, श्री — कानपुर देहात
265–राधेश्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
266–राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
267–राधेश्याम सिंह, श्री — पडरौना
268–राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
269–राम अवतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
270–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
271–राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा० — कानपुर नगर
272–राम औतार शाक्य, श्री — मैनपुरी
273–राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
284–राम खिलाड़ी, श्री — बदायूं
275–राम चन्द्र मौर्य, श्री — मिर्जापुर
276–राम चन्द्र यादव, श्री — फैजाबाद
277–राम जग, श्री — आजमगढ़
278–राम तेज यादव एडवोकेट, श्री — बहराइच
279–राम नक्षत्र, श्री — पडरौना
280–राम नरेश यादव, श्री — आजमगढ़
281–राम नरेश रावत, श्री — गाजियाबाद
282–राम नाथ, श्री — प्रतापगढ़
283–रामपाल राजवंशी, श्री — सीतापुर
284–रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
285–राम पाल सिंह, श्री — गोण्डा
286–राम प्यारे सिंह, श्री — आजमगढ़
287–राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा

288–राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
289–राम बाबू हरित, श्री आगरा
290–राम रतन यादव, श्री सुल्तानपुर
291–राम लखन, श्री सुल्तानपुर
292–राम ललित चौधरी, श्री बस्ती
293–राम विशुन आजाद, श्री गोण्डा
294–रामवीर उपाध्याय, श्री अलीगढ़
295–रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
296–राम शंकर पाल, श्री उन्नाव
297–राम सखी, श्रीमती अलीगढ़
298–राम सिंह, डा० अलीगढ़
299–राम सिंह, श्री बुलन्दशहर
300–राम सिंह सैनी, श्री हरिद्वार
301–राम सेवक सिंह, श्री इलाहाबाद
302–राम सेवक सिंह, श्री बदायूं
303–राम स्वरूप शर्मा, श्री मथुरा
304–राम स्वरूप सिंह, श्री बिजनौर
305–राम हर्ष सिंह, श्री सुल्तानपुर
306–रामाधार सिंह, श्री हमीरपुर
307–रामेश्वर दयाल बाल्मीकि, श्री मैनपुरी
308–रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
309–रिफाकत हुसैन चौधरी, श्री मुरादाबाद
310–रूप चौधरी, श्री मेरठ
311–रेवती रमण सिंह उर्फ "मणि", कुंवर इलाहाबाद
312–लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा० मेरठ
313–लल्लू सिंह, श्री फैजाबाद
314–लवकुश कुमार, श्री बिजनौर
315–लाखीराम जोशी, श्री टिहरी गढ़वाल
316–लालजी टण्डन, श्री लखनऊ
317–लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
318–लालमणि प्रसाद, श्री बस्ती
319–लाल सिंह वर्मा, श्री इटावा
320–लोकपति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
321–वकार अहमद शाह, डा० बहराइच
322–वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
323–वहोरन लाल मौर्य. श्री बरेली
324–विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
325–विजमा यादव, श्रीमती इलाहादाद
326–विजय कुमार, श्री गाजीपुर
327–विजय पाल सिंह, श्री आगरा
328–विजय प्रकाश, श्री इलाहाबाद
329–विजय सिंह, श्री सोनभद्र
330–विद्या सागर गुप्ता, श्री लखनऊ
331–विनय कुमार पाण्डेय "बिन्नू", श्री गोण्डा
332–विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री गोण्डा
333–विनोद मणि, श्री महराजगंज
334–विभूति प्रसाद निषाद, श्री आजमगढ़
335–विरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
336–विरेन्द्र सिंह, श्री वाराणसी
337–विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
338–विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
339–विशन सिंह चुफाल, श्री पिथौरागढ़
340–विशम्भर सिंह, श्री मथुरा
341–विश्वनाथ, श्री पडरौना
342–वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री शाहजहांपुर
343–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री एटा
344–वेद प्रकाश, श्री बस्ती
345–वेद प्रकाश सिंह, एम०एस०, डा० बिजनौर
346–शब्बीर अहमद, श्री बहराइच
347–शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
348–शिव गणेश लोधी, एडवोकेट रायबरेली
349–शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर
350–शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
351–शिव पूजन राम, श्री वाराणसी
352–शिव प्रताप शुक्ल, श्री गोरखपुर
353–शिव शंकर, श्री हरदोई
354–शिव बहादुर सक्सेना, श्री रामपुर
355–शिव शंकर सिंह, श्री बांदा
356–शिव सिंह चक, श्री फिरोजावाद
357–शिवाकान्त, श्री प्रतापगढ़
358–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महराजगंज
359–शिशुपाल सिंह यादव, श्री एटा

360–शेर बहादुर, श्री अम्बेडकरनगर
361–श्याम किशोर यादव, श्री लखनऊ
362–श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री वाराणसी
363–श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
364–श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
365–श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
366–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
367–श्रीराम, श्री मऊ
368–श्रीराम पाल, श्री जालौन
369–श्रीराम यादव, श्री जौनपुर
370–संग्राम सिंह, श्री बाराबंकी
371–संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
372–संजय सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
373–संदीप अग्रवाल, श्री मुरादाबाद
374–सतीश जतारिया, श्री झांसी
375–सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
376–सतीश शर्मा, श्री बुलन्दशहर
377–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री वाराणसी
378–सन्त, श्री गोरखपुर
379–सन्त राम सिंह, श्री जालौन
380–समरपाल सिंह, श्री मेरठ
381–सरजीत सिंह डंग, डा० मिर्जापुर
382–सरदार सिंह, श्री मथुरा
383–सरवर अली खां, श्री बाराबंकी
384–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री खीरी
385–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर, मुरादाबाद
386–सिंहासन सिंह, श्री गाजीपुर
387–सीताराम निषाद, श्री फैजाबाद
388–सीमा द्विवेदी, श्रीमती जौनपुर
389–सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
390–सुखपाल पाण्डेय, श्री बस्ती
391–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री सहारनपुर
392–सुधाकर सिंह, श्री मऊ
393–सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव, श्री देवरिया
394–सुमन लता सिंह, श्रीमती बरेली
395–सुरेन्द्र नाथ अवस्थी, श्री बाराबंकी
396–सुरेन्द्र प्रताप सिंह श्री बरेली
397–सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
398–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
399–सुरेश चन्द्र आर्य, श्री उधमसिंह नगर
400–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री लखनऊ
401–सुशील शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
402–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती मुजफ्फरनगर
403–सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
404–सूर्य भान सिंह, श्री सुल्तानपुर
405–सौलत अली, एडवोकेट, श्री मुरादाबाद
406–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री रायबरेली
407–हरदेव सिंह, श्री बाराबंकी
408–हरपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
409–हरवंश कपूर, श्री देहरादून
410–हरिनारायण, श्री बलिया
411–हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री सोनभद्र
412–हरि शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
413–हरि शंकर माहौर, श्री अलीगढ़
414–हरीश चन्द्र "हरीश जी", श्री वाराणसी
415–हरीश चन्द्र गंगवार, श्री बरेली
416–हीरालाल गौतम, श्री आजमगढ़
417–हुकुम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
418–होराम सिंह, श्री बुलन्दशहर
419–रिक्त–
420–रिक्त–
421–रिक्त–
422–रिक्त–
423–रिक्त–
424–रिक्त–
425–रिक्त–
426–रिक्त–

राज्यपाल

श्री सूरजभान

मंत्रि-परिषद्

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री राम प्रकाश (मुख्य मंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, प्राविधिक शिक्षा, विधायी, राज्य सम्पत्ति, नागरिक उड्डयन, औद्योगिक विकास एवं प्रोटोकाल ।
2	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी"	वित्त ।
3	श्री कलराज मिश्र	लोक निर्माण, चिकित्सा शिक्षा
4	श्री लालजी टण्डन	आवास, नगर विकास
5	श्री ओम प्रकाश सिंह	सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं उच्च शिक्षा
6	श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल	ऊर्जा
7	श्री दिवाकर विक्रम सिंह	कृषि
8	डा० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर	गन्ना विकास ।
9	श्री चौधरी नरेन्द्र सिंह	ग्राम्य विकास
10	श्री रमापति शास्त्री	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
11	श्री मारकण्डेय चन्द	लघु सिंचाई,
12	श्री राजधारी सिंह	वन
13	डा० नैपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा, भाषा ।
14	श्री सूर्य प्रताप शाही	आबकारी
15	श्री "पटेल" राम कुमार वर्मा	सहकारिता
16	श्रीमती प्रेमलता कटियार	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्याण । पिछड़ा वर्ग कल्याण ।
17	श्रीमती प्रभा द्विवेदी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार ।
18	श्री सरदार सिंह	मातृ एवं शिशु कल्याण
19	श्री राधेश्याम गुप्ता	खाद्य एवं रसद
20	श्री बाबू राम, एम०काम०	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर ।
21	श्री हुकुम सिंह	संसदीय कार्य, पंजीयन, मनोरंजन कर, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क तथा खाद्य एवं रसद ।

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
22	श्री शिव प्रताप शुक्ल	न्याय
23	श्री बच्चा पाठक	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा ।
24	श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही	राजस्व
25	श्री हरिशंकर तिवारी	वस्त्रोद्योग एवं रेशम उद्योग
26	श्री मण्डलेश्वर सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास ।
27	श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह	परिवहन
28	डा० रमेश पोखरियाल ''निशंक''	संस्कृति, पूर्त धर्मस्व
29	श्री चौधरी लक्ष्मीनारायण	कारागार
30	श्री श्याम सुन्दर शर्मा	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा
31	श्री धनराज यादव	उद्यान
32	श्री शिवाकान्त ओझा	विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स ।
33	श्री सरस्वती प्रताप सिंह	लघु उद्योग
34	श्री फागू चौहान	पशुधन एवं मत्स्य
35	श्री राजाराम पाण्डेय	खादी एवं ग्रामीण उद्योग
36	कुंवर श्री रघुराज प्रताप सिंह	खेलकूद, युवा कल्याण प्रान्तीय विकास दल ।
37	श्री जय नरायन तिवारी	सार्वजनिक उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन ।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री महेन्द्र नाथ पाण्डे	पंचायती राज
2	श्री धर्मपाल सिंह	श्रम
3	श्री जयपाल सिंह	दुग्ध विकास
4	श्री अशोक यादव	पर्यटन
5	श्री राधेश्याम कोरी	अम्बेडकर ग्राम विकास एवं सेवायोजन ।
6	श्री राजा गज़नफर अली	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज ।
7	श्री बालेश्वर त्यागी	बेसिक शिक्षा
8	श्री मातवर सिंह कण्डारी	उत्तरांचल विकास
9	श्री सुखपाल पाण्डेय	अभाव तथा सहायता पुनर्वास
10	श्री भगवान सिंह शाक्य	राष्ट्रीय एकीकरण एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन ।
11	श्री सुरेश कुमार खन्ना	नियोजन

राज्य मंत्री

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
1	श्री शिवेन्द्र सिंह	उद्योग
2	श्री रंगनाथ मिश्र	गृह
3	श्री मंगल सिंह सैनी	वित्त
4	श्री सतीश शर्मा	वित्त
5	श्री राम प्रसाद कमल	लोक निर्माण एवं चिकित्सा शिक्षा
6	श्री राकेश त्यागी	
7	श्री सतीश महाना	आवास एवं नगर विकास
8	श्री शिव शंकर सिंह	सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं उच्च शिक्षा ।
9	श्री राकेश धर त्रिपाठी	
10	श्री लल्लू सिंह चौहान	
11	श्री वीरेन्द्र सिंह	ऊर्जा
12	श्री विवेक कुमार सिंह	
13	श्री संग्राम सिंह	कृषि
14	श्री वंश नारायण पटेल	
15	श्री फतेह बहादुर सिंह	सहकारिता
16	श्री हरि नारायण राजभर	ग्राम्य विकास
17	श्री राम बाबू हरित	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
18	श्री राम आसरे पासवान	लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण ।
19	श्री राजेन्द्र सिंह पटेल	
20	श्री बंशीधर भगत	वन
21	श्री चन्द्र किशोर	माध्यमिक शिक्षा, भाषा
22	श्री यशवन्त सिंह	आबकारी
23	श्री नारायण राम दास	
24	श्री दलवीर सिंह	गन्ना विकास
25	श्री राम चन्द्र बाल्मीकि	
26	श्री दल बहादुर कोरी	
27	श्री विक्रमाजीत सिंह	समाज कल्याण
28	सुश्री डा० शीमा रिजवी	
29	श्रीमती गुलाब देवी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार
30	श्री गंगा बख्श सिंह	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
31	श्री राम आसरे कुशवाहा	खाद्य एवं रसद
32	श्री रामपाल राजवंशी	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा
33	श्री वहोरन लाल मौर्य	राजस्व
34	श्री बिहारी लाल आर्य	भूमि विकास एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास ।
35	श्री राम लखन पासी	परिवहन
36	श्री श्रीराम सोनकर	संस्कृति एवं पूर्त धर्मस्व
37	श्री विनय कुमार पाण्डेय	कारागार
38	श्री वेद प्रकाश	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा ।
39	डा० अरविन्द कुमार जैन	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा ।
40	श्री अमरमणि त्रिपाठी	लघु उद्योग
41	श्री प्रेम प्रकाश सिंह	पशुधन एवं मत्स्य ।
42	श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल	खेलकूद, युवा कल्याण, प्रान्तीय विकास दल ।
43	श्री मुन्ना लाल मौर्य	उद्यान ।

नेता विरोधी दल

श्री धनीराम वर्मा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिक्त

सचिव

श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

अधिष्ठाता मण्डल

1–डा० सरजीत सिंह डंग, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),
2–श्री बाल चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा (कानपुर नगर),
3–श्री केदार सिंह फोनिया, सदस्य, विधान सभा (चमोली),
4–डा० राम बाबू हरित, सदस्य, विधान सभा (आगरा),
5–श्री गौरी शंकर एडवोकेट, सदस्य, विधान सभा (लखनऊ),
6–डा० अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई),
7–श्री मुन्ना सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा (देहरादून),
8–श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा (अम्बेडकर नगर),
9–डा० अम्मार रिजवी, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर),
10–श्री कौकब हमीद, सदस्य, विधान सभा (बागपत) ।

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा)

शुक्रवार 31 दिसम्बर, 1999

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

1–अजय राय, श्री	वाराणसी
2–अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
3–अनिल कुमार, श्री	बलिया
4–अफरोज अली खां, श्री	रामपुर
5–अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती
6–अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी
7–अमर मणि, श्री	महराजगंज
8–अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ
9–अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
10–अरविन्द गिरी, श्री	खीरी
11–अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
12–अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
13–अशफाक अहमद, श्री	बरेली
14–उबैदुर्रहमान, श्री	गोण्डा
15–ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
16–काजिम अली खां, उर्फ नवेद मियां, श्री	रामपुर
17–किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
18–केदार सिंह फोनिया, श्री	चमोली
19–केशो मेहरा, श्री	आगरा
20–के० सी० सिंह ''बाबा'', श्री	उधमसिंह नगर
21–कैलाश, श्री	गाजीपुर
22–चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री	झांसी
23–जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती
24–जोखू लाल यादव, श्री	इलाहाबाद
25–तौफीक अहमद, श्री	सिद्धार्थनगर
26–धनराज यादव, श्री	सिद्धार्थनगर
27–धर्मज्ञ मिश्र,डा०	हरदोई
28–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद
29–निर्भय पाल शर्मा, श्री	सहारनपुर
30–''पटेल'' रामकुमार वर्मा, श्री	खीरी
31–परवेज हलीम खां, श्री	मेरठ
32–पूरन सिंह बुन्देला, श्री	ललितपुर
33–प्रदीप कुमार, श्री	मुजफ्फरनगर
34–प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री	वाराणसी
35–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री	बदायूं
36–फतेह बहादुर, श्री	महराजगंज
37–बादशाह सिंह, श्री	हमीरपुर
38–बिजेन्द्र आर्य, श्री	मुजफ्फरनगर
39–महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री	सीतापुर
40–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा०	वाराणसी
41–महेन्द्र सिंह यादव, श्री	बुलन्दशहर
42–योगेन्द्र सिंह सेंगर, श्री	देवरिया
43–रघुराज प्रताप सिंह ''राजा भईया'', कुंवर	प्रतापगढ़
44–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर	पडरौना
45–रवीन्द्र प्रताप चौधरी, श्री	सिद्धार्थनगर
46–राकेश धर त्रिपाठी, श्री	इलाहाबाद
47–राजाराम पाण्डेय, श्री	प्रतापगढ़
48–राधेश्याम जायसवाल, श्री	सीतापुर
49–राम औतार शाक्य, श्री	मैनपुरी
50–राम नरेश रावत, श्री	गाजियाबाद
51–राम नाथ, श्री	प्रतापगढ़
52–राम प्यारे सिंह, श्री	आजमगढ़
53–रामवीर उपाध्याय, श्री	अलीगढ़
54–राम सखी, श्रीमती	अलीगढ़
55–लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
56–वसीम अहमद, श्री	आजमगढ़
57–विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
58–विनय कुमार पाण्डेय ''बिन्नू'', श्री	गोण्डा
59–विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री	गोण्डा
60–शब्बीर अहमद, श्री	बहराइच
61–शिव पाल सिंह यादव, श्री	इटावा

62–शिवाकान्त, श्री	प्रतापगढ़
63–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री	मथुरा
64–संजय सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
65–सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
66–सतीश शर्मा, श्री	बुलन्दशहर
67–सन्त राम सिंह, श्री	जालौन
68–समरपाल सिंह, श्री	मेरठ
69–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर,	मुरादाबाद
70–सीताराम निषाद, श्री	फैजाबाद
71–सुखपाल पाण्डेय, श्री	बस्ती
72–सुधाकर सिंह, श्री	मऊ
73–सुरेन्द्र नाथ अवस्थी, श्री	बाराबंकी
74–सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
75–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ
76–सूर्य प्रताप शाही, श्री	देवरिया
77–हरवंश कपूर, श्री	देहरादून
78–हरि शंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर

सत्यमेव जयते

शुक्रवार, दिनांक 31 दिसम्बर, 1999

(विधान सभा की बैठक, विधान सभा–मण्डप लखनऊ में दिन के 11.00 बजे अध्यक्ष, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।)

राष्ट्रीय गीत

श्री अध्यक्ष–

वर्ष 1999 के इस अन्तिम सत्र में आप सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं । आज की कार्यवाही का प्रारम्भ हम वन्दे मातरम् से करेंगे । मेरा अनुरोध है कि सभी माननीय सदस्य खड़े होकर वन्दे मातरम् का गायन करें ।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

सुजलाम् ।

सुफलाम् ।

मलयज शीतलाम् ।

शस्य श्यामलाम् ।

मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

शुभ्र–ज्योत्सना–पुलकित–यामिनीम्

फुल्ल–कुसुमित–द्रुमदल–शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

वर्तमान विधान सभा सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी तथा मास्टर कंवर पाल सिंह के निधन पर शोकोद्गार

* मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

मान्यवर, मुझे अत्यन्त पीड़ा के साथ माननीय सदन को यह सूचना देनी पड़ रही है कि हमारे 3 वर्तमान माननीय सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी और श्री मास्टर कंवर पाल सिंह जी का दुःखद निधन हो गया ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्रीमन् श्री निवास मणि त्रिपाठी जी देवरिया जिले के बड़े तेजस्वी और निष्ठावान कार्यकर्ता थे । पहली बार वह 1991 में इस माननीय सदन के सदस्य निर्वाचित हुए और अपने जिले में अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को करते हुए ग्रामीण जीवन में अनेक महत्वपूर्ण क्रिया-कलापों के साथ वकालत छोड़कर उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया । वह 4 बार ग्राम सभापति 26 वर्ष तक, केन यूनियन के डायरेक्टर, 13 वर्ष तक केन डेवलपमेन्ट काउन्सिल के सदस्य तथा सन् 1962 से 1991 तक गोरखपुर विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य रहें । वे बाबा राघव दास डिग्री कालेज की कार्यकारिणी के 20 वर्ष तक सदस्य रहे तथा राधा कृष्ण संस्कृत महाविद्यालय के सन् 1965 से व्यवस्थापक थे । वे समाज के दबे, कुचले एवं वंचितों के उत्थान के लिये आजीवन संघर्षरत रहे । श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी के निधन से जनपद देवरिया ने एक कुशल राजनीतिज्ञ समाजसेवी एवं लोकप्रिय नेता खो दिया ।

श्रीमन् स्वामी परमानन्द दण्डी रामपुर जिले के एक कार्यशील और सक्रिया राजनेता थे । वे एक सन्यासी थे । उन्होंने बी० ए० तक शिक्षा ग्रहण की थी । वे सामाजिक कार्यों में अत्यधिक रुचि रखते थे और 1993 के निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी तथा वर्ष 1996 के मध्यावधि निर्वाचन में समाजवादी पार्टी के टिकट पर वह निर्वाचित हुए थे । वे सामाजिक कार्यों में जीवन-पर्यन्त लगे रहे तथा कई समाजसेवी संस्थाओं से सम्बद्ध रहें ।

शोषितों एवं पीड़ितों के उत्थान हेतु संघर्ष करने में उनकी विशेष रुचि थी । समाज कल्याण तथा रचनात्मक कार्य उन्हें प्रिय थे । उनके निधन से जनपद रामपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाज सेवी खो दिया है ।

श्रीमन् मास्टर कंवर पाल सिंह सहारनपुर जिले के एक उदीयमान राजनीतिज्ञ नेता थे । 3 जुलाई, 1944 को ग्राम दूधला जिला सहारनपुर में उनका जन्म हुआ था । उन्होंने इण्टर मीडिएट तथा बी०टी०सी० की शिक्षा ग्रहण की थी । शिक्षा के उपरान्त अध्यापन कार्य उन्होंने शुरु कर दिया था और अध्यापन के दौरान सामाजिक व राजनैतिक कार्यों से जुड़े रहते थे । मास्टर कंवर पाल सिंह अपने सरल स्वाभाव और मृदु व्यवहार के कारण पूरे जनपद के एक सर्वमान्य नेता थे वे सदैव प्रेरणा के स्रोत के रूप में जाने जाते रहेंगे । उनके निधन से जनपद सहारनपुर ने एक कुशल राजनीतिक और समाज सेवी खो दिया है । मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिवारों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे । आपसे निवेदन है कि उनके परिवार जनों तक इस सदन की, मेरी तथा हमारे दल की ओर से संवेदना संदेश पहुंचाने की कृपा करें ।

*नेता विरोधी दल (धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, मैं मुख्य मंत्री जी ने जो हमारे इस विधान सभा के वर्तमान तीन माननीय सदस्यों के प्रति, जो अब हमारे बीच नहीं है के प्रति जो संवेदनाएं प्रकट की हैं उनसे अपने को जोड़ते हुए कहना चाहता हूं कि यह दुनियां एक सराय है इसमें कोई चीज स्थाई नहीं है । हर चीज आती जाती रहती है । हां बुढ़पा जरूर है जो आकर जाता नहीं है । एक शायर ने भी कहा है कि दुनियां एक अजब कहानी है । हर चीज यहां की आनी-जानी देखी है जो जाकर नहीं आए जवानी देखी है, जो आकर न जाए वह

---

* वक्ता ने भाषण का पनर्वीक्षण नहीं किया ।

बुढ़ाया देखा है । पिछले समय इस सदन में हमारे तीनों माननीय सदस्य हम लोगों के बीच बैठा करते थे । विभिन्न महत्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लिया करते थे । जीवन भर समाज सेवा में लगे रहे और अपने विचारों से समाज को लाभान्वित करते रहे । अब वह हमारे बीच नहीं हैं उनमें से श्री निवास मणि त्रिपाठी जो गौरी बाजार के रहने वाले थे और एक समाज सेवी के रूप में उभरकर सामने आये । 20 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहें और शिक्षण संस्थाओं से भी जुड़े रहें । वकालत उनका मुख्य पेशा था जब उन्होंने देखा कि उससे भी बड़ी चीज समाज सेवा है तो उन्होंने समाज सेवा शुरू की और उसके बाद ही वह इस विधान सभा में चुनकर आए । विधान सभा में रहकर उन्होंने अपने बहुत महत्वपूर्ण विचार रखे आज वह हमारे बीच में नहीं हैं ।

आज वह हमारे बीच नहीं है । निश्चित ही उनके विचार समाज को लाभान्वित करते रहेंगे । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शाश्वत शान्ति और उनके परिवारजनों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें । आपसे हमारा निवेदन है कि ये हमारी भावनायें उनके दुखी परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

दूसरे माननीय सदस्य जो हमारे बीच में नहीं हैं स्वामी परमानन्द दण्डी जी को मैंने बहुत नजदीक से देखा था । उनके उन कार्यों को भी मैंने देखा जो उन्होंने समाज सेवा के लिये किए । श्रीमन् शायद ही ऐसे कुछ व्यक्ति समाज में हुआ करते हैं । वे इस तरह की समाज की सेवा में लीन रहा करते थे । मैंने देखा, जाकर के देखा है । रामपुर में और जहां उन्होंने अपनी समाज सेवा का कार्य स्थल बना रखा है । अपंगों को पढ़ाना-लिखाना, खिलाना-पिलाना, जो कुष्ठ रोगी हैं, उनके बीच में रहना उनके रहने की व्यवस्था, उनके खाने की व्यवस्था और पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था । जो निराश्रित बच्चे हैं उनको भी पढ़ाना लिखाना तथा हास्टल भी वह चला रहे थे, जिनके गरीब निराश्रित बच्चों को भी भोजन की व्यवस्था की गई थी । उन्होंने स्वच्छ तरीके से आश्रम का निर्माण किया था और अपंगों, कुष्ठ रोगियों, निराश्रित बच्चों की वे सहायता किया करते थे । निश्चित तरीके से समाज में उनकी जो सेवायें हैं वह बहुत ही महत्वपूर्ण रही हैं । उनकी सेवाओं को ये जिला और प्रदेश कभी भूलेगा नहीं । बहुत से लोग उनकी सेवाओं का अनुकरण करेंगे, क्योंकि जो अच्छा काम होता है और जिसे जो करने वाला होता है उसके लिये बहुत से लोग अपनी श्रद्धा रखते हैं और स्वयं भी उसके लिये प्रेरित होते हैं । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शाश्वत शान्ति प्रदान करें । उनके परिवारजनों और उनके अनुयायियों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें । मेरी तरफ से और मेरे दल की ओर से श्रीमान् मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

तीसरे माननीय सदस्य जो आज हमारे बीच में नहीं हैं मास्टर कंवर पाल सिंह, तीन बार विधान सभा के सदस्य रहे और हम लोगों को उनके साथ बैठने का मौका मिला । दो बार जनता दल और अभी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में इण्टर, बी०टी०सी० थे । शिक्षा कार्य में उनकी रुचि थी और उसके बाद उन्होंने समाज सेवा भी प्रारम्भ की और समाज सेवा करते रहे । तीन बार विधान सभा के सदस्य चुने गये । श्री सिंह आज हमारे बीच में नहीं हैं । निश्चित तरीके से समाज उनके व्यवहार, उनके आचरण का अनुकरण करेगा और उनसे लाभान्वित रहेगा । यही सही है कि जो व्यक्ति चला जाता है उसकी अलग से कार्यशैली रहा करती है और उस तरह की कार्यशैली का व्यक्ति फिर पैदा होना मुश्किल होता है ।

लेकिन यह सही है कि कुछ न कुछ ऐसे अपने पदचिन्ह छोड़कर चले जाते हैं जिनका लाभ समाज, देश और प्रदेश को मिलता रहता है ।

हमारे तीन साथी हमारे बीच में नहीं हैं । निश्चित ही उनके विचार तथा कार्य हमें प्रेरणा देते रहेंगे और समाज के लिये प्रेरणास्रोत बने रहेंगे । मैं पुनः निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे शोक-संवेदना के ये भाव मेरी ओर से और मेरी पार्टी की ओर से उनके परिवारजनों तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

*श्री बी० आर० वर्मा–

मान्यवर, तीन माननीय सदस्य जो हमारे बीच में बैठा करते थे, उनके निधन के बारे में माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष ने जो विचार प्रकट किये हैं, उनसे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्री श्रीनिवासमणि त्रिपाठी जी दो बार इस आदरणीय सदन के सदस्य रहें । 1991 तथा 1996 में वह भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह पर जीतकर इस आदरणीय सदन में आये थे । उनका योगदान राजनैतिक क्षेत्र के साथ ही साथ सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भी अद्वितीय रहा है । आज उनके निधन से जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी को क्षति हुई है वहीं पर देवरिया के लोगों ने भी अपना कुशल समाज सेवी भी खोया है । मान्यवर, स्वामी परमानन्द दण्डी महराज हमारे बीच में बैठा करते थे । वह तीन बार इस आदरणीय सदन के सदस्य रहे । 1991 और 1993 में वह भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह से जीतकर आये थे और 1996 में समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह से जीतकर आये थे । उनका भी बड़ा योगदान रहा है सामाजिक क्षेत्र में । आज उनके निधन से जहां समाजवादी पार्टी ने अपना एक कुशल नेता तथा कार्यकर्ता खोया है, वहीं पर रामपुर जनपद के निवासियों ने भी अपना एक सामाजिक कार्यकर्ता खोया है ।

मास्टर कंवरपाल सिंह जी तीन बार इस आदरणीय सदन के सदस्य रहे । दो बार वह जनता दल के चुनाव चिन्ह से जीतकर इस आदरणीय सदन में आये थे । दो बार जनता दल के चुनाव चिन्ह पर 1989 तथा 1991 में जीतकर आये थे । इसी बात से ही उनके व्यक्तित्व का परिचय हो जाता है कि 1996 में वह इस आदरणीय सदन में निर्दलीय सदस्य के रूप में चुनकर आये । आज उनके निधन से सहारनपुर जनपद के लोगों ने अपना एक शुभ चिन्तक, हितैषी तथा एक कुशल नेता खोया है । मान्यवर, यह तो एक कालचक्र है । सबको एक न एक दिन यहां से चला जाना है परन्तु कुछ लोगों के कृतित्व ऐसे हैं जिनकी अमिट छाप मानस स्थल पर पड़ जाती है और उनके कार्य इतिहास बन जाता है । हमारे यह तीनों साथी इसी आदरणीय सदस्य थे, उनके निधन से इस प्रदेश को अपूर्णीय क्षति हुई है मैं इन तीनों माननीय सदस्यों के प्रति अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि उनके दुखी परिवार जनों तक हमारे यह शोकोद्गार पहुंचाने की कृपा करें ।

लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द्र)–

मान्यवर, उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान तीन सदस्य–माननीय श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी तथा माननीय श्री मास्टर कंवरपाल सिंह जी के निधन के प्रति माननीय मुख्य मंत्री

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

माननीय नेता, प्रतिपक्ष, माननीय नेता बहुजन समाजवादी पार्टी ने जो शोक संवेदनशील प्रकट की है मैं उससे अपने तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, श्रीनिवासमणि त्रिपाठी जी मेरे पड़ोसी जनपद देवरिया के एक उच्च शिक्षा प्राप्त परिवार में जन्मे थे। श्री मणि जी के स्वर्गीय पिता उत्तर प्रदेश के एक प्रख्यात शिक्षाविद् एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक उच्च अधिकारी और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के तीन बार सदस्य रह चुके थे। श्रीमणि जी इलाहाबाद से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात वकालत के पेशे में आये और अपनी प्रतिभा से माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में 16 वर्षों तक शासकीय अधिवक्ता के पद पर कार्यरत रहने के बाद समाज सेवा की तरफ अपना रुख मोड़ा और गोरखपुर जनपद के गौरी बाजार विधान सभा क्षेत्र से 1996 में सदस्य निर्वाचित हुए। माननीय त्रिपाठी जी सादा जीवन उच्च विचार एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। पूर्वांचल के एक अच्छे समाजसेवियों में उनकी गणना थी।

माननीय मणि जी की जितनी भी ख्याति थी वे एक ऐसे सौभाग्यशाली व्यक्ति थे कि उनसे एक अनुज भारतीय सेना से जनरल के पद से अवकाश प्राप्त करने के बाद लोक सभा के सदस्य दो बार चुने गये। उनसे एक अनुज भारतीय पुलिस सेवा के महानिदेशक के पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद पूर्वांचल के शिक्षा के विकास में अपना योगदान दिया। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक अनेक शिक्षण संस्थाओं में उनका व उनके पूरे परिवार का स्थानीय रूप से सहयोग दिया जिसकी जितनी प्रशंसा की जाय कम है। आज वे हमारे बीच में नहीं है। उनके निधन से पूर्वांचल को एक अपूर्णनीय क्षति हुई है और इस विधान सभा ने एक ऐसे प्रतिभाशाली सदस्य को खो दिया है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि मेरे व मेरे दल की ओर से शोक संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

इसी प्रकार स्वामी परमानन्द दण्डी जी का निधन 21 सितम्बर, 1999 को हो गया। वे इस उत्तर प्रदेश विधान सभा के एक बड़े सक्रिय सदस्य थे। सर्वप्रथम वे 1991 में दूसरी बार 1993 और तीसरी बार 1996 में इस विधान सभा के सदस्य के रूप में आये थे। आज वे हमारे बीच में नहीं है। मैं उनकी बहुमुखी प्रतिभा से अत्यन्त प्रभावित था। वे मेरे दल के सदस्य भी थे। आज वे हमारे बीच में नहीं हैं। उनके निधन से हम सब दुखी हैं।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके शोक संतृप्त परिवार को शान्ति प्रदान करें और इस रिक्तता को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इसी प्रकार से मास्टर कंवर पाल सिंह का निधन 12 नवम्बर, 1999 को जनपद सहारनपुर में हो गया। वे इस विधान सभा के वर्ष 1989, 1991 और 1996 में तीन बार सदस्य रह चुके हैं।

वह सहारनपुर के एक अत्यन्त कुशल और प्रखर समाजसेवी थे, वह आज हमारे बीच में नहीं हैं मैं ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा के लिये प्रार्थना करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी तथा मेरे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

* ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)–

इस सदन के तीन माननीय सदस्य श्री निवासमणि त्रिपाठी, श्री परमानन्द दण्डी, माननीय कुंवर पाल सिंह के निधन पर माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य दल के नेताओं ने जो शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं उनसे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं। तीनों सदस्य इस विधान सभा के कई बार सदस्य रहे राजनैतिक क्षेत्र के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक आन्दोलन में विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों में इनकी विशेष रुचि रही है इससे उनके जनपद की ही नहीं वरन् पूरे प्रदेश की क्षति हुई है, इसकी पूर्ति नहीं हो सकती है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि इनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें। मेरा आपसे निवेदन है कि मेरी तथा मेरे दल की शोक संवेदनायें इनके परिवार को पहुंचाने की कृपा करें।

* श्री प्रमोद कुमार–

माननीय अध्यक्ष महोदय, संभवतः प्रदेश के इतिहास में ऐसी अभूतपूर्व घटना पहली बार हुई है जब एक साथ तीन विधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दुखद समय आया है आज हम तीन विधान सभा सदस्यों को एक साथ श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। तीनों की ही सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा थी। श्री निवास मणि त्रिपाठी जी पूर्वांचल के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार के थे, मणि परिवार की सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा थी। मुझे इलाहाबाद में उनके साथ दस वर्ष काम करने का अवसर मिला। वह कुशाग्र बुद्धि के अधिवक्ता थे इनके पुत्र का एक दुर्घटना में निधन हो गया फिर भी यह कर्तव्य की वेदी पर खड़े रहे। न्यायालय में अपने पक्ष को बहुत तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करते थे लेकिन बाहर बहुत से सहज रूप से, मित्रवत मिलते थे। सैकड़ों मुकदमों में इनके साथ रहने का अवसर मिला, इनकी कुशाग्र बुद्धि की हमेशा सराहना की गई।

परमानन्द दण्डी जी सामाजिक जीवन में सक्रिय थे। माननीय कंवर पाल जी ने अपना जीवन जनता की सेवा में समर्पित कर दिया। माननीय नेता सदन माननीय नेता विपक्ष तथा अन्य नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किए हैं उनमें मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे आग्रह करता हं कि हमारे श्रद्धा सुमन उनके परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें।

* श्री कौकब हमीद–

हमारे तीन साथी जो कुछ दिन पहले सदन में हमारे साथ बैठा करते थे। अफसोस है कि आज उनके निधन पर हमें शोकोद्गार व्यक्त करने पड़ रहे हैं। तीनों माननीय सदस्य दो-तीन बार इस सदन के सदस्य रहे। इन लोगों के न रहने से देवरिया, रामपुर और सहारनपुर के लोगों ने एक अच्छा कार्यकर्ता, कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है। मैं चाहूंगा कि मेरी तथा मेरे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

*श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

अध्यक्ष महोदय, आज अत्यन्त दुख की बात है कि सदन आज अपने तीन वर्तमान सदस्यों के असामयिक निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर रहा है । माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने जो शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं, उनके विचारों से मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं ।

मान्यवर, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी जी, हमारे जनपद देवरिया के गौरी बाजार विधान सभा क्षेत्र से 1991 तथा 1996 में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह से निर्वाचित होकर आए थे ।

मान्यवर, हमारे विधान सभा क्षेत्र के बगल में लगा गौरी बाजार विधान सभा क्षेत्र है । वहां भ्रष्टाचार के विख्यात और एक प्रतिष्ठित परिवार से मणि जी थे । इनके पिता सूरज नारायण मणि त्रिपाठी जिनका बड़ा योगदान शिक्षा के क्षेत्र में है और गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में उनका बहुत बड़ा योगदान था, उनके ज्येष्ठ पुत्र ये थे । इनके दो भाई जिसमें वर्तमान में एक श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी जी लोक सभा के मेम्बर हैं तथा दूसरे भाई जो कि पुलिस सेवा से पुलिस महानिदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए । श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी जी किसानों की समस्याओं के समाधान में लम्बे समय से संघर्ष करते रहे । केन यूनियन बैतालपुर के वह चार बार डायरेक्टर रहें, गोरखपुर विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य तथा कार्यकारिणी के कई दशक तक सदस्य रहें । वे 16 वर्ष तक इलाहाबाद में शासकीय अधिवक्ता भी रहे । उनका निधन 16 अगस्त, 1999 को हो गया है । उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी को अपूर्णनीय क्षति नहीं हुई है बल्कि सम्पूर्ण देवरिया जनपद को हुई है । उनके निधन पर हम लोग अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और आपसे यह हमारी प्रार्थना है कि आप हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

स्वामी परमानन्द दण्डी जी, जिनका निधन विगत 21 सितम्बर, 99 को हो गया हैं, वे तीन बार 91, 93 और 96 में सदस्य निर्वाचित होकर आये थे । वे दो बार भारतीय जनता पार्टी के टिकट से तथा एक बार समाजवादी पार्टी के टिकट से निर्वाचित होकर आये थे । उनके निधन से जनपद रामपुर ने कुशल राजनीतिज्ञ और समाज सेवी खो दिया है । हम उनके निधन पर अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट करते हैं और आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

मास्टर कुंवर पाल सिंह, जो इस आदरणीय सदन के तीन बार सदस्य थे, 89 में जनता दल के, 91 में पुनः जनता दल के टिकट पर तथा पिछली बार 96 में निर्वाचित होकर आये थे । उनका बहुत बड़ा योगदान सहारनपुर के विकास में था । उनके निधन से सहारनपुर के लोगों ने एक कुशल राजनीतिज्ञ और समाज सेवी खो दिया है। हम उनके निधन से दुखी हैं और अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट करते हैं । आपसे हमारी यह प्रार्थना है कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

*श्री रामजग–

माननीय अध्यक्ष जी, यह अत्यन्त दुख का विषय है, इस सदन के हमारे तीन माननीय सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी तथा मास्टर कंवर पाल सिंह का निधन हो गया और हम लोग अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं। मान्यवर, नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता बसपा तथा नेता कांग्रेस दल एवं अन्य दलों के नेताओं ने जो अपने विचार व्यक्त किये हैं हम उससे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करते हैं। इन तीन सम्मानित नेताओं के निधन से मात्र अपने जिलों की अपूर्णनीय क्षति नहीं हुई बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश को हुई है। इन लोगों ने जो सेवायें की हैं वह पूरा प्रदेश याद करेगा।

जो अपूर्णनीय क्षति हुई है उसको कभी भी भरा नहीं जा सकता, मान्यवर, हमारी और हमारे दल की जो संवेदनाएं हैं, उनके परिवार-जन तक पहुंचाने का कष्ट करें।

*वन मंत्री (श्री राजधारी सिंह)–

मान्यवर, सम्मानित साथी, श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी, मास्टर कंवर पाल सिंह आज हमारे बीच में नहीं रहे। इन तीनों सम्मानित सदस्यों ने राजनीतिक, शैक्षिक और सामाजिक क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके निधन से पूरे प्रदेश को बड़ी अपूर्णनीय क्षति हुई है। माननीय नेता सदन और माननीय नेता प्रतिपक्ष व अन्य माननीय नेताओं ने जो शोक संवेदनाएं प्रकट की हैं, उनसे मैं अपने को सम्बद्ध करते हुए आपसे यह अनुरोध करता हूं कि आप कृपया मेरी और मेरे दल की संवेदनाएं उनके परिवार-जन तक पहुंचाने का कष्ट करें।

* श्री राजेन्द्र यादव–

मान्यवर, माननीय सदन के सम्मानित सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, स्वामी परमानन्द दण्डी और मास्टर कंवर पाल सिंह जी हमारे बीच में आज नहीं हैं। मान्यवर, उनके निधन से न केवल देवरिया, सहारनपुर व रामपुर ही शोकाकुल हुआ है, बल्कि पूरा प्रदेश शोकाकुल हुआ है। उनके निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष व अन्य दलों के माननीय नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुए, मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से शोक संवेदनाएं प्रकट करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी और मेरे दल की तरफ से उनके परिवार-जन तक शोक संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष–

विधान सभा के पिछले सत्र और आज के बीच इस विधान सभा के तीन माननीय सदस्यों का निधन हो गया। श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी जी का 71 वर्ष की अवस्था में 16 अगस्त, 1999 को निधन हो गया। वे इस विधान सभा के दो बार सदस्य रह चुके थे। मेरा उनसे बहुत ही घनिष्ठ व्यक्तिगत परिचय था। जब देवरिया से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वह अधिवक्ता के रूप में आये थे उसी दिन से मेरा उनसे परिचय हो गया था। मैंने वहां उन्हें कुशलता और सत्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए पाया। इस सदन में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका अदा की थी। वह बहुत ही प्रतिष्ठित परिवार के थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही सरल और व्यवहार मृदु था। सामाजिक शैक्षणिक और राजनीतिक कार्यों में उनकी बहुत रुचि थी। माननीय नेता सदन, माननीय नेता विपक्ष तथा अन्य दलों के

माननीय नेताओं ने जो इस विधान सभा में आज अपने शोकोद्गार प्रकट किये हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं।

स्वामी परमानन्द दण्डी जी का मात्र 59 वर्ष की अवस्था में दिनांक 21 सितम्बर, 1999 को निधन हो गया। वे तीसरी बार इस विधान सभा के सदस्य हुए थे। वे सन्यासी थे। समाज सेवी के प्रति, दीन दुखियों की सेवा करने के प्रति, निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान और अन्य राजनीतिक कार्यों में उनकी विशेष रुचि रहा करती थी।

मास्टर कंवर पाल सिंह जी का निधन 55 वर्ष की अवस्था में दिनांक 12 नवम्बर, 1999 को हो गया। वे तीन बार इस विधान सभा के सदस्य रहे। उनकी शैक्षणिक कार्यों में विशेष रुचि थी। सहकारी विकास बैंक से भी वह सम्बद्ध रहे।

इन सबके प्रति जो शोकोद्गार प्रकट किये गये हैं मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं। इन सदस्यों के निधन से क्रमशः जनपद देवरिया, जनपद सहारनपुर और जनपद रामपुर को बहुत ही नुकसान हुआ है। समाजसेवी और कुशल राजनीतिक कार्यकर्ता इन जनपदों ने खो दिया है। मैं अपनी ओर से और विधान सभा की ओर से उन सबके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और जो शोकोद्गार व्यक्त किये गये हैं, वह मैं उनके परिवार-जनों तक पहुंचा दूंगा। आप लोगों से अनुरोध करता हूं कि दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये कृपया दो मिनट खड़े होकर उन्हें मौन श्रद्धांजलि दें।

(सभी सदस्यों द्वारा सदन में दो मिनट खड़े होकर मौन धारण किया गया।)

श्री अध्यक्ष–

कृपया स्थान ग्रहण करें।

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप, श्री मन्जूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रूस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरिदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, डा० शमी (शमीम) अहमद खां तथा श्री जगन्नाथ चौधरी के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

श्रीमान, मुझे बड़े दुख के साथ माननीय सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि इस सदन के 15 माननीय भूतपूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप जिला एटा, श्री मंजूर अहमद जिला मेरठ, श्री दीनानाथ सेवक जिला रायबरेली, श्री गुलाब सेहरा जिला आगरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी जिला टिहरी गढ़वाल, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे जिला जौनपुर, श्री ईशदत्त यादव जिला आजमगढ़, श्री रूस्तम सैटिन जिला वाराणसी, श्री गंगा प्रसाद जिला एटा, श्री हरि दत्त काण्डपाल जिला अल्मोड़ा, श्री सियाराम चौधरी जिला बहराइच, श्री राम प्यारे पनिका जिला सोनभद्र, श्री दलजीत सिंह जिला रामपुर, डा० शमी (शमीम) अहमद खां जिला मुरादाबाद एवं श्री जगन्नाथ चौधरी जनपद बलिया, उनका निधन हो गया।

यह सभी माननीय सदस्य अपने-अपने जिले में राजनीतिज्ञ क्षेत्र में अत्यन्त प्रभावी कार्य कर रहे थे और वे पूरे प्रदेश में अपने कार्यकलापों के लिये जाने जाते थे श्रीमन्, अत्यन्त दुख के साथ यह कहना

पड़ रहा है कि मेरे साथ 67 और 77 में शासन के अन्दर भी अनके माननीय सदस्यों ने मंत्री के रूप में कार्य किया है और यह मैं अनुभव कर रहा हूं कि अनके जिलों में एक बड़ा गंभीर वैक्यूम पैदा हो गया है। यादवेन्द्र दुबे जी मेरे बहुत घनिष्ठ मित्र थे। जौनपुर में जबरदस्त सामाजिक कार्य उन्होंने किया। वह हमारे भारतीय जनसंघ के प्रदेश अध्यक्ष भी थे, इस सदन में विरोधी दल के नेता भी रहे और कई बार विधान सभा और लोकसभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए इसी तरह से इन्द्रमणि बड़ौनी जो पर्वतीय क्षेत्र के थे, बड़े जबरदस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कांग्रेस के बड़े प्रसिद्ध नेता के रूप में जाने जाते थे उन्होंने पूरे उत्तरांचल में बहुत जबरदस्त आन्दोलन भी किया था। इसी तरह से जगन्नाथ चौधरी, जिनकी सूचना आज ही प्राप्त हुई, बलिया के बड़े निष्ठावान कांग्रेस के कार्यकर्ता थे और कई बार निर्वाचित हुए, समाजसेवी थे। आज ही सदन में आते समय यह सूचना प्राप्त हुई कि उनका भी निधन हो गया।

श्रीमन्, ईश्वर से प्रार्थना है कि वह इन दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करे और शोकाकुल परिवारों को इस दारूण दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से इस सदन की ओर से आपसे निवेदन करता हूं कि उनके परिवारों तक हमारी संवेदना की कृपा करें।

नेता विरोधी दल (श्री धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जो 14 सदस्य हमारे इस सदन में बैठते रहे हैं, अब हमारे बीच में नहीं। इन 14 सदस्यों में श्री राम स्वरूप, एटा, श्री मंजूर अहमद, मेरठ, श्री दीनानाथ सेवक, रायबरेली, श्री गुलाब सेहरा, आगरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, टिहरी गढ़वाल, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, जौनपुर, श्री ईश दत्त यादव, आजमगढ़, श्री रूस्तम सैटिन, वाराणसी, श्री गंगा प्रसाद, एटा श्री हरि दत्त काण्डपाल, अल्मोड़ा, श्री सियाराम चौधरी, बहराइच, श्री राम प्यारे पनिका, सोनभद्र, श्री दलजीत सिंह, रामपुर, डा० शमी (शमीम) अहमद खां, मुरादाबाद और पन्द्रहवें श्री जगन्नाथ चौधरी, बलिया हैं। श्रीमन् इन सभी माननीय सदस्यों ने समाज और देश की सेवा में अपना बहुमूल्य समय दिया। उनके विचारों से और उनके कार्यों समाज और देश प्रभावित होता रहा और लाभ पाता रहा।

श्रीमन्, श्री राम स्वरूप जी ने एक बार, श्री मन्जूर अहमद ने 5 बार, श्री दीनानाथ सेवक ने दो बार, श्री गुलाब सेहरा ने 3 बार, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी ने 3 बार, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे ने दो बार लोकसभा और 3 बार विधान सभा में जनप्रतिनिधि के रूप में हमारे देश प्रदेश की सेवा की। इसी प्रकार श्री ईश दत्त यादव ने एक बार, श्री रुस्तम सैटिन ने एक बार, श्री गंगा प्रसाद पाल ने 5 बार, श्री हरिदत्त काण्डपाल ने 4 बार, श्री सियाराम चौधरी ने एक बार, श्री राम प्यारे पनिका ने दो बार विधान सभा तथा दो बार लोकसभा, श्री दलजीत सिंह ने दो बार, डा० शमी (शमीम) अहमद खां ने एक बार, श्री जगन्नाथ चौधरी ने चार बार विधान सभा तथा एक बार लोकसभा में रहकर हमारे देश और प्रदेश की सेवा की। इन सभी लोगों ने समय-समय पर विभिन्न समस्याओं के समाधान में और बहुत से गम्भीर मसालों के समाधान में अपना सहयोग दिया है।

यह सही है कि उनकी जगह पर अन्य लोगों ने कार्य करना प्रारम्भ किया। लेकिन यह भी सही है कि जो व्यक्ति जिस ढंग से कार्य करता है, उस ढंग से दूसरे व्यक्ति के कार्य करने की क्षमता नहीं हुआ करती है। इसलिए विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्ति चाहे वह सहकारिता में रहें हों, चाहे शिक्षा में रहें हों, चाहे राजनीति में रहें हों, अब हमारे बीच में नहीं हैं और निश्चित रूप से उनकी कमी हमेशा खटकती

रहेगी । श्रीमन्, मैं इन सभी 15 स्वर्गीय माननीय सदस्यों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी तरफ से और अपने दल की ओर से आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आप इन सभी माननीय भूतपूर्व सदस्यों के परिवारजनों तक हमारी संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री बी०आर० वर्मा–

मान्यवर, जिन 15 भूतपूर्व सदस्यों की शोक संवेदना नेता प्रतिपक्ष ने व्यक्त की हैं मैं अपने को और अपने दल को उससे समबद्ध करता हूं । मान्यवर, श्री राम स्वरूप, श्री मन्जूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईश दत्त यादव, श्री रुस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरिदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, श्री शमी (शमीम) अहमद खां और जगन्ननाथ चौधरी ये सभी आदरणीय सदस्य सदन के प्रतिभावान सदस्य रहें हैं । इसमें कई लोगों को मंत्रि परिषद् के सदस्य के रूप में काम करने का मौका मिला और प्रदेश के निर्माण में उनका एक बड़ा योगदान रहा है ।

मान्यवर, श्री ईश दत्त यादव जी मेरे जनपद के रहने वाले थे, आजमगढ़ के रहने वाले थे, उनके साथ मुझे भी काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । उनमें जिस तरह की क्षमता थी उससे निश्चित तौर पर समाजवादी पार्टी ने अपना एक अद्वितीय संगठन खोया है । आजमगढ़ जनपद एक कुशल अधिवक्ता और कुशल समाज सेवक से वंचित रहा है । मान्यवर, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे जी जौनपुर जनपद से थे उनके सानिध्य में भी मुझे थोड़े समय रहने का मौका मिला । उनका जिस तरह का व्यक्तित्व था और उससे जौनपुर जनपद ही नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी जनसंघ के रूप में थी, उस समय उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के रूप में इस सदन को एक महत्वपूर्ण योगदान दिया था । आज भारतीय जनता पार्टी के साथ ही पूरे प्रदेश को अपूर्णनीय क्षति हुई है । इन सभी माननीय सदस्यों का किसी न किसी क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है । सभी राजनीतिज्ञ के साथ-साथ, सामाजिक, शैक्षिक और भी जीवन के दूसरे क्षेत्रों में इनका अपना एक अद्वितीय स्थान रहा है । आज उनके न रहने से ऐसे सभी क्षेत्रों में शून्यता आ गई है जिसे भर पाना कठिन है ।

मान्यवर, इन सभी 15 माननीय सदस्यों के प्रति मैं अपनी और अपने दल की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और अनुरोध करता हूं कि मेरे द्वारा और मेरे दल की तरफ से जो शोक संवेदना व्यक्त की गई है उसे परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । धन्यवाद ।

लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, इस सदन के भूतपूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप, श्री मन्जूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रूस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरिदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, डा० शमी (शमीम) अहमद खां और श्री जगन्नाथ चौधरी के निधन पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी ने जो शोक संवेदना व्यक्त की है, मैं उससे अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं तथा आपसे अनुरोध करता हूं कि माननीय भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर उनके परिवार को मेरे तथा मेरे दल की तरफ से शोक संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)–

श्रीमन्, इस सदन के पूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप, श्री मन्जूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रुस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरीदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, श्री शमीम अहमद खां, श्री जगन्नाथ चौधरी हमारे बीच में नहीं रहे । माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने जो इनके निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं उससे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं ।

श्रीमन्, यह सभी पूर्व विधायक रहे हैं, इन्होंने इस प्रदेश को नई-नई दिशा दी, इनमें से कुछ लोग आजादी की लड़ाई से जुड़ रहे और कुछ लोग स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण जी के आन्दोलन से जुड़े रहे और कुछ लोग मंत्रि-परिषद् में भी सम्मिलित रहे और प्रोटम स्पीकर भी रहें । उनकी रुचि शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में रही । उन्होंने गरीबों की लड़ाई लड़ी । इनमें से बहुत से लोगों के साथ मुझे विधान सभा में रहने का मौका मिला और मुझे उनकी विचारधारा से अवगत होने का मौका मिला । उनके निधन से न केवल उनके जनपद बल्कि पूरे प्रदेश की क्षति हुई है जो पूरी नहीं हो सकती है । मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और इस दुख को उनके शोक संतप्त परिवार को सहने की शक्ति दें । आपसे अनुरोध है कि मेरे व मेरे दल की ओर से उनके परिवार तक शोक संवेदना भेजने की कृपा करें ।

श्री प्रमोद कुमार–

मान्यवर, भूतपूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप, श्री मंजूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रूस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरिदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, श्री शमीम अहमद खां, एवं श्री जगन्नाथ चौधरी जी के निधन के संबंध में जो विचार माननीय नेता सदन और माननीय नेता विरोधी दल ने व्यक्त किये हैं मैं उनसे अपने को अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी और हमारे दल की ओर से शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचा दें ।

मान्यवर, श्री मंजूर अहमद इस सदन के प्रखर वक्ताओं में से थे जो अपनी बात मजबूती से कहने के लिये जाने जाते थे । श्री दीनानाथ सेवक प्रतापगढ़ के निवासी थे, मेरे निर्वाचन क्षेत्र के निवासी थे यद्यपि उनका राजनीतिक कार्य क्षेत्र रायबरेली था । वह एक दलित परिवार से, साधारण स्तर से उठकर मंत्री स्तर तक पहुंचे । श्री गुलाब सेहरा इस सदन के प्रमुख वक्ताओं में से थे जो अपनी सत्य प्रियता के लिये जाने जाते थे उनके निधन से सम्पूर्ण प्रदेश की क्षति हुई है । श्री इन्द्रमणि बड़ौनी उत्तरांचल के गांधी के रूप में जाने पहचाने गये । उन्होंने गरीबों की आवाज हमेशा सदन में उठाई । श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे अत्यन्त प्रतिभाशाली और जनप्रिय जन प्रतिनिधि रहे । इसी प्रकार से राम प्यारे पनिका जी मजदूरों की आवाज को देश और प्रदेश स्तर तक उठाते रहे । आज कुछ घण्टों पूर्व श्री जगन्नाथ चौधरी जी का निधन हो गया । यह बलिया के रहने वाले थे । श्री जगन्नाथ चौधरी जी विधान सभा के सदस्य भी रहे, सांसद भी रहे और उन्होंने भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर को पराजित किया था । अब से 9-10 घण्टे पूर्व उनका निधन हो गया । वह अपनी कर्मठता और अपनी कार्य कुशलता के लिये जाने जाते थे । मैं

इन सभी भूतपूर्व सदस्यों के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेरी प्रार्थना है कि मेरी और मेरे दल की संवेदनाओं को उनके परिवार जनों तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री कौकब हमीद–

मान्यवर, यह 15 माननीय सदस्य जो अब हमारे बीच में नहीं रहे हैं। उनसे उनके क्षेत्र और प्रदेश में एक कमी रहेगी। मैं मानीय नेता प्रतिपक्ष की बातों से अपने को सम्बद्ध करता हूं और अपनी तरफ से तथा अपने दल की ओर से शोक संवेदनायें व्यक्त करते हुये आपसे गुजारिश करूंगा कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी और हमारे दल की संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

मान्यवर, इस सम्मानित सदन के भूतपूर्व सदस्य श्री राम स्वरूप, श्री मंजूर अहमद, श्री दीनानाथ सेवक, श्री गुलाब सेहरा, श्री इन्द्रमणि बड़ौनी, श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे, श्री ईशदत्त यादव, श्री रूस्तम सैटिन, श्री गंगा प्रसाद, श्री हरिदत्त काण्डपाल, श्री सियाराम चौधरी, श्री राम प्यारे पनिका, श्री दलजीत सिंह, डा० शमी (शमीम) अहमद खां आज हमारे बीच में नहीं रहे। यह सभी भूतपूर्व सदस्य न केवल अपने जनपदों का बल्कि अपने-अपने विचारों से इस प्रदेश में किसानों, मजदूरों और यतीमों की लड़ाई लड़ते रहे। आज इनके प्रदेश में न रहने से राजनीतिक और सामाजिक सेवा में जो रिक्तता हुई है वह अपूर्णनीय है। श्रीमन् आज इस दुखद घड़ी में मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से इन भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुये आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री रामजग–

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस सदन के भूतपूर्व जिन 15 सदस्यों का निधन हो गया है उनमें श्री ईशदत्त यादव हमारे दल के ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के हमारी पार्टी के सम्मानित नेता रहे हैं। उन्होंने मजदूरों के बीच लंबे समय तक अपनी सेवायें दी हैं। श्री रूस्तम सैटिन के निधन से वामपंथी आन्दोलन को गहरा धक्का लगा है। इस प्रकार आप देखें तो सभी सम्मानित सदस्य अपने-अपने जिलों में नहीं बल्कि उन्होंने पूरे उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण सेवायें की है। उनके निधन से पूरे प्रदेश में भारी क्षति हुई है। हमारी पार्टी इन 15 भूतपूर्व सदस्यों के निधन से काफी दुखी है। मान्यवर, आपसे अनुरोध है कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

वन मंत्री (श्री राजधारी सिंह)–

अध्यक्ष महोदय, हमारे विधान सभा के सम्मानित भूतपूर्व सदस्य जिनकी संख्या 15 है वे आज हमारे बीच में नहीं रहे हैं। मान्यवर, इन सभी भूतपूर्व सदस्यों की राजनीतिक और सामाजिक सेवायें अपने-अपने क्षेत्रों में रही हैं लेकिन आज उनके न रहने से पूरे प्रदेश में अपूर्णनीय क्षति हुई है। मान्यवर, मैं उनके प्रति अपनी ओर से और अपने दल की ओर से शोक संवेदनायें प्रकट करते हुये आपसे अनुरोध करता हूं कि उनके दुखी परिवार तक हमारी और हमारे दल की संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें।

श्री राजेन्द्र यादव–

मान्यवर, इस सदन के 15 भूतपूर्व सदस्य आज हमारे बीच में नहीं रहे । उनके प्रति माननीय नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता कम्युनिस्ट पार्टी तथा अन्य दलों के नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं । मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुये आपसे चाहूंगा कि हमारी शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें । मान्यवर, इन 15 माननीय सदस्यों में से रूस्तम सैटिन जो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय नेता ही नहीं थे । पूर्वांचल में वामपंथी आन्दोलन को मजबूत करने में, जिन्दगी भर गरीबी-दलितों की लड़ाई को लड़ते हुये अपना योगदान किया है । मैं पुनः आपसे निवेदन करूंगा कि हमारी शोक संवेदना मेरी पार्टी की तरफ से और मेरी तरफ से पहुंचाने की कृपा करें ।

* वित्त मंत्री (श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी")–

मान्यवर, इस सदन के वर्तमान सदस्य श्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी से मेरे व्यक्तिगत संबंध थे । इस संबंध का कारण उनके पूज्य पिता पं० सेतु नारायण मणि त्रिपाठी से मेरी निकटता थी । वैसे वह किसी दल के सदस्य तो नहीं थे लेकिन उनकी प्रेरणा से उनके परिवार के दोनों पुत्र .....

श्री प्रमोद कुमार–

मान्यवर, यह प्रकरण समाप्त हो गया है ।

श्री अध्यक्ष–

माननीय हरीश जी, आपसे श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे एवं श्री रुस्तम सैटिन के बारे में अनुरोध किया था ।

श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी"–

मान्यवर, क्षमा करें । स्वर्गीय यादवेन्द्र दत्त दुबे मेरे अभिन्न मित्र थे । उनके निधन से जौनपुर जिले ने एक अच्छे समाजसेवी और कुशल नेतृत्व को खो दिया है । वह लोकसभा के भी सदस्य रहे थे । पुस्तकों से उन्हें बड़ा प्यार था, वह एक अध्ययनशील व्यक्ति थे । गूढ़ से गूढ़ विषयों को गहराई से अध्ययन करना उनका स्वाभाव था । वह इतने लोकप्रिय थे कि उनके विरुद्ध जो चुनाव लड़ते थे उनकी जमानतें जब्त होती थीं । आम व्यक्ति उनके प्रति बहुत ही आकर्षित था । उनकी सेवाओं से जौनपुर जिला सदा लाभ पाता रहा । आज उनके निधन से एक अच्छा सेवक और एक अच्छा नेतृत्व जौनपुर जिले ने खो दिया है । मैं उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं ।

श्री रुस्तम सैटिन जी वाराणसी से चुनकर आते थे । वे इस उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री भी रह चुके थे । एक लम्बी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया । मेरे उनसे व्यक्तिगत संबंध थे । वह किसी दल विशेष में रहने के बाद भी वाराणसी में उन्हें जहां दुखी-पीड़ित लोगों का सम्मान प्राप्त था, वहीं आम लोगों में भी उन्हें आदर भाव प्राप्त था । उनके निधन से वाराणसी में एक निष्पक्ष भाव से जनसेवा करने वाले नेतृत्व को हमने खोया है । मान्यवर, इन दोनों नेताओं के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनके चले जाने के कारण उनका जो शोकाकुल परिवार है, उसको

इस दुख को सहन करने की शक्ति दें । मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि मेरी संवेदना को उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री अध्यक्ष–

प्रदेश की विधान सभा के 15 भूतपूर्व सदस्यों का पिछले 6 महीने के अन्दर निधन हो गया है । सभी माननीय सदस्यों ने विभिन्न कालखण्डों में इस सदन की सेवा की थी और वर्तमान माननीय सदस्यों में से कई ऐसे हैं जिनसे उनके व्यक्तिगत संबंध अथवा परिचय रहा होगा । एटा के भी श्री राम स्वरूप जी एक बार विधान सभा के सदस्य थे । बहुत ही सक्रिय राजनीति और सामाजिक सेवा करते थे । श्री मन्जूर अहमद की बहुत सक्रिय भूमिका इस सदन में रहा करती थी । वह पांच बार विधान सभा के सदस्य हुए थे, वह बहुत ही सफल राजनीतिक, सक्रिय समाज सेवी और समाजवादी विचारधारा के थे । रायबरेली के श्री दीनानाथ सेवक ने दो बार इस सदन की सेवा की थी । 66 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ वह प्रदेश के राज्य मंत्री व उप मंत्री भी रहे । कुश्ती से उन्हें विशेष लगाव था उनके गीतों का संग्रह भी प्रकाशित हुआ । श्री गुलाब सेहरा का 61 वर्ष की अवस्था में निधन हुआ । वह तीन बार विधान सभा के सदस्य रहे और प्रदेश में राज्य मंत्री और मंत्री के पद को भी उन्होंने सुशोभित किया । दलितों एवं निर्बल वर्गों के लिए आपने विशेष कार्य किया । विभिन्न पदों पर रहकर उन्होंने सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया । श्री इन्द्रमणि बड़ौनी का 78 वर्ष की अवस्था में निधन हुआ । तीन बार इन्होंने विधान सभा की सेवा की, यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे एवं बहुत ही सक्रिय राजनैतिक एवं सामाजिक सेवा की ।

श्री यादवेन्द्र दत्त दुबे का 81 वर्ष की अवस्था में निधन हुआ । वह तीन बार विधान सभा के एवं दो बार लोक सभा के सदस्य हुए । वह अध्ययनशील प्रवृत्ति के थे । इनका पुस्तकालय प्रसिद्ध था । श्री ईशदत्त यादव का 62 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया । वह एक वार इस विधान सभा के सदस्य रहे एवं अपने जनपद आजमगढ़ की नगरपालिका के उपाध्यक्ष भी रहे आपने अधिवक्ता के रूप में सेवा की । रुस्तम सैटिन का निधन 90 वर्ष की अवस्था में हुआ वह कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए थे । वह प्रदेश में उप मंत्री भी रहे । श्री गंगा प्रसाद जी ने 6 बार इस सदन की सेवा की और 72 वर्ष की अवस्था में उनका निधन हुआ वह उप मंत्री भी रहे । एक बार वह विधान सभा के प्रोटम अध्यक्ष भी रहे । वह सक्रिय राजनैतिक समाज सेवी थे । श्री हरी दत्त काण्डपाल बार-बार विधान सभा के सदस्य रहे । उनका निधन 87 वर्ष की अवस्था में हुआ वह बहुत ही सक्रिय राजनीतिज्ञ थे । श्री सियाराम चौधरी ने एक बार इस सदन की सेवा की । 86 वर्ष की अवस्था में इनका निधन हो गया । उन्होंने नमक सत्याग्रह में भाग लिया । सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं भारत छोड़ो आन्दोलन में आपने सजा पाई ।

श्री राम प्यारे पनिका का 64 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया । दो बार आपने सदन की सेवा की । वह दो बार लोक सभा के सदस्य भी रहे । कांग्रेस पार्ट के प्रमुख लोगों में उनका स्थान था । विभिन्न पदों पर आपने सेवा की है । वह रेलवे भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे । श्री दलजीत सिंह का 60 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया । वह दो बार इस सदन के सदस्य रहे । वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे । उन्होंने प्रदेश में राज्य मंत्री एवं उप मंत्री के पदों को सुशोभित किया तथा विभिन्न पदों पर रहकर उन्होंने जनता की सेवा की ।

डा० शमीम अहमद का 63 वर्ष की अवस्था में निधन हुआ, इन्होंने एक बार इस सदन की सेवा की । डी०आई०आर० और मीसा में उनको कारागार में निरुद्ध किया गया । चिकित्सा के क्षेत्र में आप बहुत सक्रिय थे । उन्होंने एक पुस्तक भी लिखी तथा मेडिकल एसोसिएशन, मुरादाबाद के सदस्य रहे । श्री जगन्नाथ चौधरी ने 75 वर्ष की अवस्था में संसार को छोड़ दिया । वह बार-बार विधायक और एक बार लोक सभा के सदस्य थे । उन्होंने प्रदेश में राज्य मंत्री और उप मंत्री के पदों को सुशोभित किया । वह बहुत ही सक्रिय राजनीतिज्ञ थे । इन सब सदस्यों के प्रति सदन में जो शोकोद्गार प्रकट किए गये हैं मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इन दिवंगत आत्माओं को शांति दे एवं इनके परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति दे । मैं अनुरोध करूंगा कि दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये आप लोग दो मिनट का मौन धारण करें ।

(सभी सदस्यों द्वारा सदन में दो मिनट का मौन रखा गया)

मैं आप सभी सदस्यों की भावनायें शोक संतप्त परिवार जनों तक अवश्य पहुंचा दूंगा ।

भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

श्रीमन्, बड़े दुख के साथ मैं माननीय सदन को सूचित कर रहा हूं कि इस देश के महान नेता, भूतपूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा का 26 दिसम्बर, 1999 को निधन हो गया । श्रीमन् डा० शंकर दयाल शर्मा इस देश के वह निधि थे जिन्होंने राजनैतिक जीवन को मूल्यों की राजनीति की ओर प्रेरणा दी । महात्मा गांधी ने इस देश में आजादी के संघर्ष में सारे देश का ध्यान जीवन मूल्यों की ओर, सिद्धान्तों की ओर आकर्षित किया । उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुये स्वतंत्रता संग्राम में तो उन्होंने भाग लिया ही, लेकिन बाद में प्रशासन के अत्यन्त महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुये सन् 92 में मुख्य मंत्री के रूप में भोपाल राज्य में कांग्रेस पार्टी के अखिल भारतीय मंत्री और अध्यक्ष के रूप में अनेक प्रदेशों में राज्यपाल के रूप में उपराष्ट्रपति के रूप में उन्होंने इस देश का मार्ग-दर्शन किया ।

वह ऐसे नेता थे कि पार्टी के कार्यकर्ता होने के बाद भी अपने जीवन मूल्यों से सिद्धान्तों की रुचि से वह अनेक दलों के नेताओं कार्यकर्ताओं को आकर्षित करते थे और इस देश का वास्तविक नेता कैसा हो इसका उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया । आज उनके निधन से हमारे देश के राजनैतिक जीवन में बहुत बड़ी हानि हुई है । इस हानि की पूर्ति करना बहुत कठिन होगा । श्रीमन्, मैं उनके प्रति शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और हमारी पार्टी की ओर से इस सदन की ओर से भगवान से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शान्ति दे और उनके परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे । श्रीमन्, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि हम लोगों की शोक श्रद्धांजलि उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

नेता विरोधी दल (श्री धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, भूतपूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा के प्रति जो शोकोद्गार माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रकट किये, मैं उनसे अपने को संबद्ध कर रहा हूं और आगे की कड़ी में यह कहना चाहता हूं कि श्रीमन्, वह पीढ़ी जिसने इस देश को स्वतंत्रता दिलाई और हम लोगों को विधान सभा और लोक सभा में बैठने का अवसर दिया, वह पीढ़ी धीरे-धीरे समाप्त होती चली जा रही है । उसी पीढ़ी के सदस्य माननीय शर्मा जी

भी थे । वह उच्च-कोटि के राजनीतिज्ञ और जनसेवी थे । वह कई बार विधान सभा के सदस्य तथा राज्य सभा और लोक सभा के सदस्य भी रहे । शुरू में वह मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री भी रहे और बाद में मंत्री भी रहे । कहने का तात्पर्य यह है कि उनकी देश और समाज के प्रति अविस्मरणीय सेवायें रही हैं । अपने बहुत से विचार तथा मान्यताओं को छोड़कर वह आज हमारे बीच से चले गये हैं । उनके ये विचार और मान्यतायें देश और समाज को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी । उनकी सेवायें, आदर्श, उनके मूल्यों से हम प्रेरणा लेते रहेंगे ।

आज उनके न रहने से जो क्षति हुई है उनको पूरा करने में उनके आदर्श और विचार सहायक होते रहेंगे । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शाश्वत-शान्ति तथा उनके परिवार जनों को इस दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें । मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारी ये शोक संवेदनायें उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री बी० आर० वर्मा–

मान्यवर, भूतपूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा जी के निधन से बारे में जो शोकोद्‌गार माननीय नेता सदन ने तथा नेता प्रतिपक्ष ने व्यक्त किये हैं, उससे मैं अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, डा० शंकर दयाल शर्मा जी जो कल तक इतिहास का सृजन करते थे । आज वह खुद इतिहास बन गये हैं । उन्होंने उच्च शिक्षा देश और विदेश में प्राप्त की और स्वतंत्रता आन्दोलन में भी उनका योगदान रहा । मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री भी वह रहे । केन्द्र सरकार के मंत्री के रूप में और इस देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के रूप में उनका जो कार्य रहा है वह अनुकरणीय है और आने वाली पीढ़ियां उससे सबक सीखती रहेंगी और नसीहत लेती रहेंगी । मान्यवर, उन्होंने अपने ज्ञान और अपनी जानकारी को आने वाली पीढ़ियों के लिये लिपिबद्ध करने का काम भी किया है तमाम पुस्तकों के रूप में आज वह हमारे लिये पथ-प्रदर्शक के रूप में सामने है । आज उनके निधन से एक अपूर्णनीय क्षति हुई है और इस देश ने एक महान नेता को खोया है । मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति शोक संवेदना प्रकट करता हूं और श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरी ओर से तथा मेरे दल की ओर से शोक संवेदनायें उनके परिवार-जनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, इस देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा जी का 82 वर्ष की अवस्था में 26 दिसम्बर, 1999 को निधन हो गया । डा० शंकर दयाल शर्मा जी इस देश के महान सपूत, महान शिक्षाविद् महान समाज सेवक के रूप में सदैव याद किये जायेंगे । डा० शंकर दयाल शर्मा पूर्ववर्ती भोपाल राज्य के मुख्य मंत्री भी रह चुके थे ।

इस देश की अनेक विधान सभाओं एवं उप राष्ट्रपति, राष्ट्रपति तथा केन्द्र सरकार में अनेक बार अनेक विभागों के मंत्री के रूप में अत्यन्त कुशल प्रशासक भी रहे हैं । डा० शंकर दयाल शर्मा जी की बहुमुखी प्रतिभा एवं उनके विभिन्न क्षेत्रों में किये गये कार्य इस देश के लिये एक उदाहरण होगा । आज वे हमारे बीच में नहीं है । सारा राष्ट्र आज उनके निधन से दुखी है । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें । आपसे अनुरोध करता हूं कि उनके शोकाकुल परिवार तक मेरी व मेरे दल की शोक संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें ।

ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)–

श्रीमन्, पूर्व राष्ट्रपति देश के प्रथम नागरिक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डा० शंकर दयाल शर्मा जी के निधन पर नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष तथा अन्य दलों के नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं उससे मैं अपने व अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । श्रीमन् यद्यपि डा० शंकर दयाल शर्मा जी मध्य प्रदेश में भोपाल में पैदा हुए थे लेकिन उनको पूर्व शिक्षा उत्तर प्रदेश में हुई । जिस विश्वविद्यालय से हमने डिग्री प्राप्त की वे भी उसी विश्वविद्यालय के छात्र रहे । आज उनके निधन से यह पूरे देश को क्षति हुई है लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को काफी क्षति महसूस हुई है । देश के महत्वपूर्ण पदों पर बैठकर उन्होंने नई दिशा देश को दी । आज उनके निधन से देश को महान क्षति हुई है । मेरा आपसे अनुरोध है कि उनके शोकाकुल परिवार तक हमारी शोक संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें । ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें ।

श्री प्रमोद कुमार–

मान्यवर, जब यह शाताब्दी अपने अंतिम पड़ाव पर है उस समय हमने न जाने कितने विख्यात विभूतियों को खो दिया है जिन्होंने इस शताब्दी में अपना बहुमूल्य योगदान दिया और उन दिनों को रोशन किया अपने कामों से । आज हमारे बीच से एक महान विभूति अत्यन्त कर्मठ और दलों की भावना से ऊपर उठकर सारी दुनिया में लोकप्रियता हासिल की । उन्होंने यहीं नहीं बाहर विदेशों में जाकर कैम्ब्रिज और स्विटजरलैंड जाकर पढ़ाई की और अपनी योग्यता को प्रकट भी किया । भोपाल के मुख्य मंत्री के रूप में, केन्द्र सरकार के मंत्री के रूप में, चाहे महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश के राज्यपाल के रूप में, चाहे उपराष्ट्रपति या राष्ट्रपति के रूप में रहे हों अपने कर्तव्यों का निर्वहन बड़ी अच्छी तरह से किया ।

मुझे वह समय स्मरण आता है जब वे आन्ध्रप्रदेश में राज्यपाल के पद थे उस समय आतंकवाद अपना सर उठा रहा था जिसमें उनकी पुत्री और दामाद दोनों की हत्या कर दी गई लेकिन मान्यवर, उन्होंने अपनी उस लड़ाई को, जेहाद को कम नहीं किया । जिस भी पद पर वे आसीन रहे उसका निर्वहन उन्होंने भली प्रकार से किया । वे भारती राष्ट्रीय कांग्रेस के महामंत्री और अध्यक्ष भी रहे । कांग्रेस-जन के रूप में विपरीत परिस्थितियां में भी उन्होंने अपना कार्य किया और नेतृत्व किया ।

मैं बड़ी श्रद्धा के साथ, आदर के साथ, आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि उन्होंने भोपाल में जन्म लेने के बाद इस प्रदेश में एक लम्बा जीवन बिताया है और यहां शिक्षा प्राप्त की है । आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि उनकी स्मृति को स्थायी करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार कोई ऐसा कदम उठाये जिससे इस प्रदेश के प्रति उनकी सेवाओं को भी याद कर सकें । इन्हीं शब्दों के साथ मैं उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आपसे आग्रह करता हूं कि उनके शोकाकुल परिवार तक हमारी शोक संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री कौकब हमीद–

डा० शंकर दयाल शर्मा, जिनका निधन इस शताब्दी के बिल्कुल आखिर में हुआ है जिन्होंने इस शताब्दी में अपना योगदान दिया उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा । शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं, चेयरमैन राज्यसभा के क्षेत्र में और जब वे लखनऊ तशरीफ लाये थे और सम्बोधित किया था । किसी

राष्ट्रपति के रूप में तो ऐसा शख्स रोज-रोज पैदा नहीं होता है । मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरे व मेरे दल की ओर से शोक संवेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

मान्यवर, इस देश के प्रथम नागरिक देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, परम आदरणीय स्वर्गीय शंकर दयाल शर्मा जी आज हम सबके बीच में नहीं रहे ।

डा० शंकर दयाल शर्मा जी के संबंध में माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय नेता विपक्ष एवं अन्य सभी दलों के माननीय नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, जहां वर्तमान सदी अपने अंतिम दिन गिन रही है और हम सहस्त्राब्दि में प्रवेश की तैयारी में है वहीं यह सदी जिन लोगों के नाम से जानी जायेगी, हिन्दुस्तान के इतिहास में उन बड़ी शख्सियत में डा० शंकर दयाल शर्मा एक थे । डा० शंकर दयाल शर्मा जी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय और दुनिया के कई विश्वविद्यालयों से शिक्षा-दीक्षा ली । सबसे विचित्र बात यह है कि विदेश में शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद भी उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व में भारतीयता कूट-कूट कर भरी थी और उनका मन भारत की गंगा-यमुनी संस्कृति के प्रति बेहद समर्पित था ।

डा० साहब शिक्षा के क्षेत्र में प्रशासन के क्षेत्र में, राजनीति के क्षेत्र में, आने वाली पीढ़ी को, व्यक्तिगत जीवन में, सामाजिक जीवन में, शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा देते रहेंगे । उनके न रहने से सम्पूर्ण प्रदेश में रिक्तता पैदा हो गई है, इस रिक्तता को पूरा नहीं किया जा सकता है । जनता दल उनके निधन से दुखी है । मैं अपने और अपने दल की शोक-संवेदनाएं उनके प्रति प्रकट करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि शंकर दयाल जी का परिवार पूरा देश है, लेकिन उनके परिवार में, उनके दिवंगत होने के बाद जो लोग हैं, उनको ईश्वर संबल प्रदान करे । मेरी आपसे प्रार्थना है कि मेरी तथा मेरे दल शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री रामजग–

मान्यवर, हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति स्व० श्री शंकर दयाल शर्मा जी के निधन पर पूरा देश शोक मना रहा है । मान्यवर, शंकर दयाल शर्मा जी ने देश के उच्च पदों पर रहकर देश की सेवा की । राष्ट्रीय आजादी के आन्दोलन में अग्रणी भूमिका उन्होंने निभाई । देश में विभिन्न घटनाओं पर जब देश में संविधान, धर्मनिरपेक्ष, न्यायपालिका पर खतरे का भय था उस समय राष्ट्र को नई दिशा दी । आज हमारे देश में पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा जी नहीं हैं लेकिन उनकी सेवा, उनके कार्य समाजविद के रूप में, राज्य निधि के रूप में जो उन्होंने देश की सेवा की है.उसको देश हमेशा याद करेगा । उनके निधन से अपूर्णनीय क्षति हुई है उसकी पूर्ति नहीं हो सकती हैं । उनके निधन से हमारी पार्टी दुखी है । आपसे निवेदन है कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवार के प्रति पहुंचाने की कृपा करें ।

वन मंत्री (श्री राजधारी सिंह)–

मान्यवर, डा० शंकर दयाल शर्मा जी हमारे देश के महानतम नेता में से थे । अपने जमाने में सम्पूर्ण नेताओं में योग्यतम व्यक्ति थे । ऐसे विरले लोग ही होते हैं जिन्हें राजनीति में, विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न पदों का अनुभव हो । मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री के पद में चाहें हों, चाहे केन्द्रीय मंत्रिमंडल के

रूप में हों, राष्ट्रपति के रूप में हों या फिर राज्य सभा के सभापति के रूप में हों या फिर कोई प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के रूप में हों, उनका कार्य बहुत ही सराहनीय रहा । वह गांधीवादी विचारधारा के थे और बड़े ही सरल और सहज व्यक्ति थे । उनके मूल्यों तथा आदर्शों को मेरे जैसे लोग प्रेरणा स्रोत मानते हैं । उनके आकस्मिक निधन से इस देश को अपूर्णनीय क्षति हुयी है । मैं इस अवसर पर अपने को तथा अपने दल को, जो विचार विभिन्न दलों के नेताओं ने रखे हैं, से सम्बद्ध करता हूं और आपके माध्यम से यह प्रार्थना करता हूं कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

श्री राजेन्द्र यादव–

माननीय अध्यक्ष जी, देश के प्रथम नागरिक, भारत मां के महान सपूत, देश के महान शिक्षाविद समाज सेवी, स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी तथा देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति द्वारा डा० शंकर दयाल शर्मा जी के प्रति जो शोक संवेदनाएं नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता बसपा, नेता लोकतांत्रिक कांग्रेस, नेता कांग्रेस, नेता लोकदल तथा अन्य नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं, मैं उससे अपने को अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे यह निवेदन है कि हमारी तथा हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार पहुंचाने का कष्ट करें ।

संस्कृति पूर्त एवं धर्मस्व मंत्री (डा० रमेश पोखरियाल ''निशंक'')–

श्रीमन्,राजनीति के क्षितिज पर उस शीर्ष स्थान पर बैठा रहने वाला वह महान देशभक्त जो आज हमारे बीच में नहीं है, निश्चितरूप से इस देश के एक बहुत बड़ी धरोहर को खोया है । मैं व्यक्तिगत रूप से डा० शंकर दयाल शर्मा जी के बहुत निकट रहा और मैंने अनेक अवसर पर महसूस किया कि आज की राजनीति के गिरते मूल्यों में इस तरह का अकलुषित और प्रखर व्यक्तित्व जिन्हें न केवल राजनीति के प्रति रुचि थी बल्कि वह हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत सहित 14 भाषाओं के ज्ञाता थे । उन्होंने न केवल अनेक पुस्तकों का सम्पादन किया बल्कि लेखन भी किया ।

डा० शंकर दयाल शर्मा जी के बहुत लम्बे समय तक विदेश में शिक्षा ग्रहण किये और उसके बाद भी यह साबित किया कि विदेश में रहना और शिक्षा ग्रहण करना, उसके बाद भी विदेशी संस्कृति से प्रभावित नहीं होकर भारत की संस्कृति और भारत के मूल्यों को नहीं छोड़ा और इस देश की संस्कृति को दुनिया के अनेक देशों तक पहुंचाया और शुद्ध स्वदेशी के रूप में जीवन यापन किया । इस शीर्ष स्थान पर रहते हुये भी मैं सोचता हूं कि इस राजनीति जीवन में जहां तेजी से गिरावट हो रही है, ऐसा व्यक्तित्व चाहे वह मुख्य मंत्री के पद पर हो, अनेक प्रदेशों के महामहिम राज्यपाल के पद पर हों, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में हो, राज्य सभा का अध्यक्ष के पद पर हो, उप राष्ट्रपति के पद पर हो या फिर देश के प्रथम नागरिक राष्ट्रपति के पद पर हो, हर स्थान पर अपनी छाप छोड़ी और यह महसूस कराया कि व्यक्ति अकलुषित तरह से काम करें तो वह अपना स्थान बना सकता है ।

अत्यन्त भावुक किस्म के डा० शर्मा विशेषकर लेखकों के प्रति बहुत भावुक थे । श्रीमन्, वे जब स्वाधीनता के उन स्मरणों को कहते थे तो उनकी आंखों से अश्रु की धारा छलक आती थी । ऐसे अनेक अवसर आये । श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से उनके प्रति शोक-संवेदना अर्पित करता हूं और उस महान आत्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना करता हूं ।

श्री अध्यक्ष–

गांधीवादी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारतीयता के प्रतीक, साहित्य दर्शन और शिक्षा में विशेष रुचि रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा का निधन 26 दिसम्बर, 1999 को 82 वर्ष की अवस्था में हो गया । डा० शर्मा का राजनैतिक जीवन बहुत लम्बा था । इस राजनैतिक जीवन में वे कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे । पूर्ववर्ती भोपाल राज्य के मुख्य मंत्री रहने के अतिरिक्त उन्होंने राजनैतिक क्षेत्र में लगभग सभी महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अपना योगदान दिया । लगभग 15 वर्ष तक मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य और मध्य प्रदेश राज्य में मंत्री पद के दायित्व का निर्वहन करने के पश्चात्, लोक सभा सदस्य और फिर केन्द्रीय मंत्री के रूप में जो उन्होंने कार्य किया है, वह स्मरणीय है । कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और महामंत्री के पद पर उन्होंने संगठन की दृढ़ता प्रदान करने का पूरा प्रयास किया । उसके पश्चात् वह देश के उप राष्ट्रपति बने । उसके पश्चात् वह राष्ट्रपति निर्वाचित हुए और उस पद का दायित्व उन्होंने कुशलतापूर्वक निर्वहन किया ।

डा० शर्मा का व्यक्तित्व बहुत ही सरल और मृदु था । वे बहुत ही संवेदनशील व्यक्ति थे । आज इस सदन में उनके निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और विभिन्न दलों के माननीय नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति दे तथा उनके परिवार वालों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें । मैं आप लोगों से अनुरोध करता हूं कि दिवंगत आत्मा की शांति के लिये कृपया दो मिनट खड़े हों तथा उन्हें मौन श्रद्धांजलि भी दें ।

(सभी सदस्यों द्वारा सदन में दो मिनट खड़े होकर मौन धारण किया गया ।)

अध्यक्ष–

कृपया आसन ग्रहण करें ।

कुछ माननीय सदस्यों ने लिखित सूचना दी है कि दो भूतपूर्व सदस्यों का और निधन हो गया है । प्रक्रिया यह है कि जिलाधिकारी से पहले इसकी पुष्टि की जानी है निधन की पुष्टि होने पर यहां श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं । सचिव जिलाधिकारी से सूचना पर पुष्टि ले लेंगे और यदि वे पुष्टि करते हैं तो फिर सदन में किसी भी दिन श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे ।

उड़ीसा राज्य के तटवर्ती इलाकों में आये भयंकर समुद्री तूफान में मृत व्यक्तियों, घायलों और अपार सम्पत्ति की हानि के प्रति मा० मुख्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत संवेदना प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष–

एक प्रस्ताव आया है माननीय मुख्य मंत्री और विभिन्न दलों के माननीय नेताओं के हस्ताक्षर से उड़ीसा में जन-जीवन की हानि हुई है, उसके संबंध में ।

कुंवर रेवती रमण सिंह–

मान्यवर, माननीय मुख्य मंत्री जी जब उड़ीसा पर प्रस्ताव रख रहे हैं तो मैं आग्रह करूंगा कि भारत का जो प्लेन हाईजैक हो गया है, 160 यात्रियों का जीवन खतरे में है, अगर उसके बारे में ...

श्री अध्यक्ष–

यह मुझसे चर्चा की गई थी लेकिन आज मैं केवल निधन के निदेश ले रहा हूं ।

श्री प्रमोद कुमार–

मान्यवर, आपने निधन के निदेश को लिया, उड़ीसा को लिया जा रहा है तो फिर दुख भरी घटना यह भी है ।

श्री अध्यक्ष–

उड़ीसा में जन-धन की हानि हुई है ।

श्री प्रमोद कुमार–

जो हाईजैकिंग हुई है उसके विरोध में एक प्रस्ताव यहां पर आना चाहिये । चूंकि यहां पर उड़ीसा का प्रकरण ले लिया है इसलिये उचित यह है कि हाईजैकिंग में आतंकवाद की निन्दा भी होनी चाहिये ।

श्री अध्यक्ष–

जब औपचारिक प्रस्ताव आयेगा तो हम देख लेंगे ।

मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से आज दिनांक 31 दिसम्बर, 1999 को निम्नलिखित प्रस्ताव करना चाहता हूं ।

"यह सदन हाल ही में उड़ीसा राज्य के तटवर्ती इलाकों में आये भयंकर समुद्री तूफान में बड़ी संख्या में मृत व्यक्तियों, घायलों और अपार सम्पत्ति की हानि के प्रति शोक प्रकट करता है और मृत व्यक्तियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शान्ति दे और उनके शोक संतप्त परिवारों को यह क्षति सहन करने की शक्ति दें । यह सदन समुद्री तूफान में घायल हुए व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है ।"

श्री अध्यक्ष–

मैं प्रस्ताव को सदन के समक्ष रख देता हूं ।

नेता विरोधी दल (धनीराम वर्मा)–

श्रीमन्, समय-समय पर दैवी आपदाओं से माननीय जीवन प्रभावित होता रहा है, लेकिन अबकी दफा जो दैवी आपदाएं उड़ीसा में आयीं वह अपने में अभूतपूर्व रहीं । धन-जन की जो क्षति इस तूफान में हुई, वैसी कभी नहीं हुई । कितने लोग काल-कवलित हुए अब तक इसका कोई सही जायजा नहीं मिला, कितने पशुओं की मृत्युएं हुईं, इसकी भी कोई गणना अभी तक संभव नहीं हो सकी । आर्थिक

नुकसान क्या हुआ, इसका सही आंकलन नहीं लगाया जा सकत । लेकिन यह सही है कि हजारों की संख्या में मानव-जीवन और हजारों-हजारों की संख्या में पशुधन और कई अरबों की सम्पदा इस दैवी आपदा से नष्ट हो गई जिससे हमारा देश पूरी तरह से प्रभावित हुआ । यह सही है कि जो सहायता वहां के पीड़ितों को दी गई और दी भी जा रही है लेकिन वह सहायता ऐसी नहीं है कि जो बचे-खुचे पीड़ित हैं, उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें । हम इसमें आगे नहीं जाना चाहते हैं, मैं यहां यह कहना चाहता हूं कि इस दैवी आपदा में जो भी लोग काल-कवलित हुए हैं, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्माओं की शाश्वत शान्ति और उनके परिवारजनों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें, साथ ही वह शक्ति प्रदान करें कि पुनः उनके परिवार पहले जैसी स्थिति में आ सकें और यह भी ईश्वर से प्रार्थना करना हूं कि उनके परिवारजन धैर्यपूर्वक आगे का जीवन प्रारम्भ करें । आपसे मेरा विनम्र निवेदन है कि उनके परिवारजनों तक मेरी और हमारे दल की शोक संतप्त संवेदनाएं पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री प्रमोद कुमार–

माननीय नेता सदन द्वारा और माननीय नेता विरोधी दल द्वारा समर्थित प्रस्ताव का मैं स्वागत करता हूं । सिर्फ आपसे दो विनम्र निवेदन करना चाहता हूं । अगर इसमें दो चीजें जोड़ दी जायें तो इसकी सार्थकता और अधिक हो जायेगी । यह इस शताब्दी की भयंकरतम दुखद दुर्घटना है, इसमें अत्यधिक धन की आवश्यकता है । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि उत्तर प्रदेश सरकार इसी के साथ आर्थिक सहायता का पैकेज भी देने की घोषणा करे तो उचित होगा । दूसरे हमारी केन्द्र सरकार ने पता नहीं क्यों उड़ीसा की इस घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं किया चूंकि भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं किया है, इसलिये यह सदन इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव करे, इसमें क्या बुराई है ?

श्री अध्यक्ष–

यह आप केन्द्र में, लोकसभा में उठाइयेगा ।

श्री प्रमोद कुमार–

| × × × |

श्री रामजग–

| × × × |

श्री अध्यक्ष–

यह लिखा नहीं जायेगा । मैं प्रस्ताव को मतदान के लिये प्रस्तुत कर रहा हूं ।

प्रश्न यह है कि ''यह सदन हाल ही में उड़ीसा राज्य के सहवर्ती इलाकों में आये भयंकर तूफान में बड़ी संख्या में मृत व्यक्तियों, घायलों और अपार सम्पत्ति की हानि के प्रति शोक प्रकट करता है और मृत व्यक्तियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनकी आत्मा को शान्ति दे

और उनके शोक संतप्त परिवारों को यह क्षति सहन करने की शक्ति दे । यह सदन समुद्री तूफान में घायल हुये व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है ।"

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

अतः, हम दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिये खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें ।

(सभी सदस्यों द्वारा सदन में दो मिनट का मौन रखा गया)

श्री अध्यक्ष–

जब उसका औपचारिक प्रस्ताव सभी दल के सदस्यों के हस्ताक्षर द्वारा आयेगा, तो देख लूंगा ।

अब हम 3 जनवरी, 2000 को 11.00 बजे पुनः बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 55 मिनट पर सोमवार 3 जनवरी, 2000 को दिन के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया ।)

लखनऊ :

दिनांक : 31 दिसम्बर, 1999 ।

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश ।

विधान परिषद

पी०एस०यू०पी०–एल०–354 विधान सभा ( )–813–2000 (डी०टी०पी०) ।